तापमान
अधिकतम 26 डिग्री
न्यूनतम 25 डिग्री

हरिभूमि
इस्पात भूमि
रायपुर, शनिवार, 26 जुलाई , 2025

[भिलाई | दुर्ग | भिलाई-3 | कुम्हारी | जामुल | उतई | पाटन | अहिवारा | मुरमुंदा | धमधा | अण्डा | जामगांव - आर]

10 सरकारी अफसर रिटायर और तबादले के बाद भी बीएसपी के आवासों में काबिज

12 पिछले साल से खरखरा 30 व तांदुला जलाशय में 6 प्रतिशत कम जलभराव

फॉरेस्ट विभाग की मिली भगत से फलफूल रहा अवैध कारोबार, डीएफओ ने दिए जांच के निर्देश

जिले में अवैध आरामिल की भरमार लाइसेंस 170 का, चल रहे 300 से ज्यादा

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

पाटन ब्लॉक के गुढ़ियार में अवैध आरामिल के भंडाफोड़ के बाद नया खुलासा हुआ है। जिले में अवैध आरामिल की भरमार है। फॉरेस्ट विभाग के अफसरों की मिलीभगत से जिले में बड़ी संख्या में अवैध आरामिल चल रहे हैं। इसमें दुर्ग के अग्रसेन चौक, खुर्सीपार, सुपेला, कोहका, खुर्सीपार और नंदिनी में सबसे ज्यादा अवैध आरामिल हैं। फॉरेस्ट विभाग के रिकॉर्ड की मानें तो दुर्ग और बेमेतरा जिले में 206 आरामिल के ही लाइसेंस जारी किए गए हैं, इसमें दुर्ग में करीब 170 लाइसेंसी आरामिल हैं, लेकिन चल रहे 300 से ज्यादा है। बता दें कि गुढ़ियारी में दो लकड़ी तस्करों को झगड़े की वजह से वन विभाग में अवैध आरामिल संचालन की शिकायत हुई। इसके बाद वन विभाग की टीम ने दबिश देकर लाखों रुपए की लकड़ियां जब्त की। इसमें 16 घनमीटर से ज्याद कहुआ, मिश्रित, चिरान, जलाऊ सहित अन्य महंगी लकड़ियां शामिल हैं। जगह किसी अजय तिवारी के नाम पर है। आरामिल चलाने वालों को बयान लिया गया है। इसके अलावा अन्य कानूनी कार्रवाई की जा रही है। बहरहाल इस कार्रवाई के बाद वन विभाग के अफसरों के संरक्षण में ऐसे आरामिल संचालन की बात सामने आई है। इस पर डीएफओ दीपेश कपिल ने सभी जगहों पर जांच कर ऐसी सारी आरामिल पर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद 1990 से नए आरामिल पर रोक

जानकारी के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट ने 1990 में एक आदेश जारी किया, इसके बाद से पूरे देश में नए आरामिल लाइसेंस पर रोक है। पुराने लाइसेंसधारी को ही संचालन की अनुमति है। 12 दिसंबर 96 के बाद कोई नया लाइसेंस जारी नहीं किया गया है। यह आदेश पर्यावरण संरक्षण और वनों के संरक्षण के उद्देश्य से दिया गया था। आरामिल के संचालन के लिए बड़ी मात्रा में लकड़ी की आवश्यकता होती है। इससे वनों की कटाई और पर्यावरण को नुकसान पहुंचता है। हालांकि पुराने लाइसेंस का स्थल परिवर्तन और नाम ट्रांसफर किए जाने की अनुमति है। इसकी भी प्रक्रिया काफी जटिल है। इसमें पीसीसीएफ यानी प्रिंसपल चीफ कंजर्वेटर ऑफ फॉरेस्ट की अनुमति आवश्यक है। इसके लिए पर्यावरण क्लीयरेंस, वन विभाग से एनओसी से लेकर अन्य अनुमति आवश्यक है।

जानिए हम क्यों कह रहे वन विभाग के अफसरों की मिली भगत से खेल

दुर्ग जिले में जंगल की वैसे ही कमी है। वन विभाग के अफसरों और कर्मचारियों को नियमित रूप से आरामिल जांच के निर्देश हैं। इसके अलावा इन अवैध आरामिल में जो लकड़ियां जब्त हुई हैं, उनमें अधिकांश वन विभाग की नीलामी के बाद जारी की गई थी। इतना ही नहीं अवैध आरामिल में भी वन विभाग की नीलामी की लकड़ियां आसानी से पहुंचती है। इसकी वजह यह है कि आरामिल लाइसेंस और व्यापारी लाइसेंस अलग-अलग है। व्यापारी लाइसेंस वन विभाग से जारी होता है, जिसके जरिए व्यापारी वन विभाग की लकड़ियों की नीलामी में आसानी से भाग ले सकता है और लकड़ियों की खरीदी कर सकता है। वन विभाग ने इस पर कभी ध्यान नहीं दिया कि इन लकड़ियों को काटने का काम अवैध आरामिल में भी हो सकता है।

नंदिनी और खुर्सीपार में सबसे ज्यादा अवैध आरामिल

हरिभूमि पड़ताल में खुलासा हुआ है कि नंदिनी और खुर्सीपार में सबसे ज्यादा अवैध आरामिल संचालित हो रहे हैं। वर्तमान में दुर्ग जिले में करीब 170 आरामिल हैं। दुर्ग और बेमेतरा जिले में कुल 206 आरामिल लाइसेंसी है। इसमें धमधा में 51, दुर्ग में 70, पाटन में 49 आरामिल हैं। इसके अलावा चलने वाले सारे आरामिल अवैध हैं, जो वन विभाग की अनदेखी के चलते फलफूल रहे हैं। इसे गंभीरता से नहीं लिया गया, जिसके चलते पिछले करीब 10 सालों में अवैध आरामिल की संख्या तेजी से बढ़ी है। इधर लकड़ी तस्कर भी सक्रिय हैं, जो कहुआ, बीजा, आड़ जात लकड़ियों की कटाई कर ऐसे अवैध आरामिल तक पहुंचा रहे हैं।

सारी अवैध आरामिलों पर की जाएगी कार्रवाई

गुढ़ियारी में अवैध आरामिल के मामले में हमारी जांच जारी है। बेशकीमती लकड़ियां मिली हैं। सभी को जब्त किया गया है। रही बात अवैध आरामिलों तो इसे लेकर पूरे जिले में सर्वे कराया जाएगा। सभी पर कार्रवाई होगी, जिस किसी के बाद अवैध आरामिल संचालन की जानकारी है, वे मुझे आकर शिकायत करें, तत्काल ऐसी आरामिल पर कार्रवाई होगी।

- **दीपेश कपिल**, डीएफओ दुर्ग

2.12 लाख रुपए का गांजा जब्त

भिलाई। लाखों रुपए का गांजा के साथ दो युवकों को गिरफ्तार किया है। एएसपी पद्मश्री तंवर ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर मेरठ यूपी निवासी मो. कैफ अब्बासी, जिला बागपथ यूपी उस्मान कुरैशी को पकड़ा गया। छावनी पुलिस ने आरोपियों के पास से एक खाखी रंग के 4 पैकेट में सेलोटेप से लपेट कर बीज युक्त हरीपत्ती दानेदार मादक पदार्थ जैसा गांजा जब्त किया। जिसका वजनी 21.393 किलो ग्राम है। जिसकी कीमत 2 लाख 12 हजार रुपए आंकी गई है। आरोपियों से नगदी 1 हजार रुपए जब्त किया गया है। आरोपियों द्वारा बेचने के लिए परिवहन कर दुर्ग लाया जा रहा था।

एक दिन में अवैध शराब बिक्री के 37 मामले

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

हरेली पर्व को ध्यान में रखते हुए पुलिस असामाजिक तत्वों के द्वारा विवाद कर शांति भंग करने के संदेह पर नियंत्रण, अवैध शराब, शराब पीकर शांति भंग करने वालों के खिलाफ कार्रवाई किया गया है। एएसपी पद्मश्री तंवर ने बताया कि पुलिस ने आबकारी एक्ट के तहत कुल 37 प्रकरण दर्ज किया है। अभियान के तहत आरोपियों के पास से अंग्रेजी शराब 16 पौव्वा देशी मदिरा मसाला 103 पौव्वा देशी मदिरा प्लेन 99 पौव्वा बेचने की रकम 2490 जब्त किया। सामानों की कीमत 28 हजार 180 रुपए का जब्त किया है। आरोपियों का नाम गुंडा बदमाश की सूची में लाया जाएगा।

दो नन पर मानव तस्करी और धर्मांतरण का आरोप, किया जीआरपी के हवाले

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

रेलवे स्टेशन दुर्ग में मान तस्करी और धर्मांतरण को लेकर दो नन पर आरोप लगाने का मामला सामने आया है। जिसकी शिकायत बजरंग दल को मिलने पर रेलवे स्टेशन पर पहुंचे और नन को पकड़ लिया। मौके पर पहुंची जीआरपी के हस्तक्षेप के बाद माहौल शांत हुआ।

- दुर्ग रेलवे स्टेशन की घटना, तीन युवतियों को आगरा लेकर जा रहे थे

नन, एक युवक के साथ नारायणपुर जिले की तीन युवतियों को पकड़ गया। तीनों को नन बहला-फुसलाकर युवतियों को आगरा लेकर जा रहे थे।

तीनों को जेल भेज दिया गया है। जीआरपी दुर्ग ने बताया कि रेलवे स्टेशन पर तीन युवतियां घूमती पाई गई, बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने उससे पूछताछ करना शुरु कर दिया। तब पता चला कि ननप्रीति मैरी, सुनंदा फ्रांसिस द्वारा उन्हें आगरा लेकर जा रहें है। कार्यकर्ताओं को संदेह होने पर तीनों युवतियों में कमलेश्वरी, ललिता, सुखमति, नन प्रीति, सुनंदा, युवक सुखमन मंडावी को पकड़कर जीआरपी के हवाले कर दिया। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने इसे मानव तस्करी और धर्मांतरण का आरोप लगाकर जीआरपी चौकी दुर्ग में हंगामा शुरू कर दिया। प्रभारी जीआरपी थाना राजकुमार बोर्झा ने बताया कि तीन युवतियों को धर्म परिवर्तन के उद्देश्य से आगरा ले जाया जा रहा था। प्राथमिक जांच के आधार पर दो नन, एक युवक के खिलाफ अपराध कायम किया गया। युवतियां ग्राम ओरझा के निवासी है। मामले में कारण जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा।

मामले में परिजनों को भी नहीं है जानकारी

बताया गया है कि नन साथ जो युवक पकड़ाया है। वो इससे पहले भी तीन युवतियों को भेज चुका है। जब नारायणपुर की युवतियों के घर में संपर्क करने पर पता चला कि उन्हें झूठ बोलकर लाया गया था। उनको पता ही नहीं कि उनकी बेटियां कहां जा रही हैं। ग्राम ओरछा नारायणपुर की ये युवतियां घूमने जाने के लिए निकली हुई हैं। उनके घर वाले ओरछा पुलिस में शिकायत किया है। आरोप है कि ये लोग यहां की युवतियों को बेचते हैं। पकड़े गए युवक सुखमन के पास से तीन आधार कार्ड है। एक युवती के पास डायरी मिली है। उसमें कई राज्यों के नाम हैं। इसके अलावा उस डायरी में पादरियों का नंबर भी है। साथ ही उनके पास 8 से 10 युवतियों का फोटो भी मिला हैं।

जबरन लेकर जा रहे थे

बजरंग दल के कार्यकर्ताओं का आरोप था कि दो नन युवतियों को नौकरी का झांसा देकर आगरा लेकर जा रहे थे। कार्यकर्ताओं ने कहा कि शुक्रवार की सुबह इसे लेकर जानकारी से मिली कि दुर्ग रेलवे स्टेशन पर दो नन, एक युवक नारायणपुर की तीन युवतियों को लेकर जा रहे हैं। पूछताछ में तीनों का कहना था कि जबरदस्ती लेकर जाया जा रहा है। इसके बाद जीआरपी चौकी में जमकर हंगामा हो गया।

कार्रवाई शासन को गलत जानकारी प्रेषित करने के मामले में लिपिक भी निलंबित

दुर्ग निगम में फर्जी तरीके से अनुकंपा नियुक्ति, दो निलंबित

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

नगर निगम दुर्ग के तीन कर्मचारियों पर आयुक्त सुमित अग्रवाल ने निलंबन की कार्रवाई की है। इसमें दो मामले ऐसे हैं, जिनमें गलत तरीके से अनुकंपा नियुक्ति प्राप्त करने के आरोप लगे हैं। इसमें सहायक राजस्व अधिकारी प्रीति उज्जैनवार और भृत्य नम्रता रक्सेल पर गलत तरीके से अनुकंपा नियुक्ति पाने के आरोप लगें है। शासन से हुई शिकायत के बाद प्राथमिक जांच के आधार पर दोनों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। उनके अलावा लिपिक हेमलता वर्मा को शासन को राजेंद्र साहू के निलंबन के संबंध में गलत जानकारी प्रेषित किए जाने पर निलंबन की कार्रवाई की गई है। हेमलता निलंबन के दौरान अमृत मिशन कार्यालय डाटा सेंटर में अटैच रहेंगी। इसी प्रकार प्रीति उज्जैनवार जलगृह और नम्रता अतिक्रमण शाखा में संलग्न रहेंगी। जारी आदेश के मुताबिक प्रीति और नम्रता पर विभागीय जांच भी शुरू की जा रही है। उनकी अनुकंपा नियुक्ति को लेकर जमा किए गए सारे दस्तावेजों का परीक्षण किया जाएगा। शिकायतकर्ता के बयान लिए जाएंगे। इसके लिए अलग से कमेटी बनाई गई है। आयुक्त ने जल्द ही जांच कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

नगर निगम में अनुकंपा नियुक्ति के नाम पर लंबे समय से फर्जीवाड़ा

बता दें कि नगर निगम दुर्ग में लंबे समय से अनुकंपा नियुक्ति के नाम पर फर्जीवाड़ा की शिकायत की जाती रही है। इसे लेकर कई बार जांच भी हुई, लेकिन कार्रवाई अब तक नहीं हो पाई है। 70 से ज्यादा मामलों में शिकायत हो चुकी है। फर्जी जानकारी के आधार पर एक ही परिवार के कई सदस्यों को अनुकंपा नियुक्ति मिलने का मामला पिछले दिनों सामने आया था। इसी प्रकार एक मामले में बेटे को भाई बताकर दस्तावेज पेश किया गया। बहरहाल इन मामलों में जांच जारी है।

ड्रेन वाटर व स्लज मैनेजमेंट सिस्टम किया बेहतर, पाउवारा मॉडल गांव के लिए चयनित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

दुर्ग जिले के पाउवारा गांव को मॉडल गांव के लिए चयनित किया गया है। भिलाई से 15 किलोमीटर दूर स्थित इस गांव की आबादी 4 हजार की है।

स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत इस गांव को ग्रामवासियों की सोच के अनुरूप विकसित किया जा रहा है। ड्रैन वाटर मैनेजमेंट, स्लज मैनेजमेंट, कम्युनिटी टायलेट और सॉलिड व लिक्विड वेस्ट मैनेजमेंट की वजह से यह गांव जिले का मॉडल गांव बन रहा है।

खास एक्सक्लूसिव

इस तरह मैनेजमेंट किया है ग्रामीणों ने गांव को

1. निकासी पानी कर रहे साफ सोख्ता गड्ढा किया तैयार

पाउवारा के हर घर के हैंडपंपों के आसपास सोखता गड्ढा का निर्माण किया गया है। जिससे वाटर लेबल हैंडपंपों का बना रहे। इसी तरह सार्वनजिक नलों से पानी बाहर आता है। हर घर से पानी का इस्तेमाल के बाद गलियों में गंदा पानी बहकर तालाब में जाता था। गंदे पानी को तालाब में जाने से रोकने के लिए तीन लेयर का ऐसा सिस्टम बनाया है कि यह पानी साफ होकर अब तालाब में जा रहा है।

2. घुरवा बन गया आकर्षक गार्डन

इस गांव के बाहर कचरा डंप करते थे। एक बड़ा सा घुरवा यह था। बारिश का पानी भी यहां जमा हो जाता था। जिससे संक्रामक बीमारियों के फैलने का खतरा मंडराता। ग्रामीणों ने जनसहयोग से इस जगह को आकर्षक गार्डन के रूप में तब्दील कर दिया है। गार्डन की देखभाल भी खुद ग्रामीण करते हैं।

3. स्लज मैनेज कर रहे हैं ग्रामवासी

गांव में सामुदायिक शौचालय है। हर घर में टॉयलेट की भी सुविधा हो गई है। सेप्टी टैंक को खाली करवाने के लिए फिकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट से रजिस्ट्रेशन करवाया गया है। कोलिहापुरी, उतई और पतोरा तीन जगह से इस कार्य के लिए जोड़ा गया है। स्लज से प्लांट में गार्डन के लिए खाद का निर्माण भी शुरू हो गया है।

कचरे से अटी जगह को बनाया उद्यान

यह जगह कचरे से पटा रहता था आज गार्डन के रूप में है विकसित

निकासी गंदे पानी को इस सिस्टम से उपयोग लायक बनाकर तालाब में भरते हैं

पंचायत ने तैयार की आगे की कार्ययोजना, सफाई करेंगे बेहतर

यूजर्स चार्जेस से मिलने वाली राशि से करेंगे मेंटनेंस

ग्राम पंचायत मेंटनेंस कार्य के लिए खुद ही आत्मनिर्भरता की ओर है। इसके लिए हर घर से यूजर्स चार्ज लिया जाना है। प्रति घर 10 से 20 रुपए तक यूजर्स चार्जेस लेंगे। पर्यावरण को मद्देनजर रखते हुए वृक्षारोपण सहित ग्राम विकास में और क्या-क्या कार्य होने है इसके लिए ग्राम पंचायत ने गांव के लोगों से सुझाव भी मांगे हैं।

प्लास्टिक से बनाएंगे पेन स्टैंड छोटे गमले, साबुनदानी

गांव से निकलने वाले प्लास्टिक से पेन स्टैंड, छोटे रैपर वाले गमले, रस्सी, साबुनदानी जैसी उपयोगी सामान बनाने की योजना है। गांव का प्लास्टिक को एकत्र कर कोलिहापुरी प्लास्टिक सेंटर ले जाया जाएगा। यहां मशीन के माध्यम से पत्थर के टुकड़े के आकार का प्लास्टिक का रूप देंगे। इस प्लास्टिक के टुकड़े को गलाकर ये चीजें बनाई जा सकेगी।

मॉडल बनाने मांगे हैं सुझाव

हमारे गांव को मॉडल बनाने के लिए तीन महीने पहले से ही तैयारी कर रहे थे। अब चयन भी हो गया है। वर्तमान में जो कार्य किए गए हैं वही आधार बना है। अब और विकसित कैसे करें इसके लिए ग्राम बैठक में सुझाव लेंगे और उस आधार पर आगे की कार्ययोजना को अंजाम देंगे।

-मीना यादव, सरपंच पाउवारा ग्राम पंचायत

स्टेट कमेटी ने किया चयन

पाउवारा गांव को मॉडल गांव के रूप मे चयन स्टेट कमेटी ने किया है। यहां हुए कार्यों का ब्योरा और ग्रामीणों के सहयोग को देखते हुए आधार बना। जो भी आगे प्लानिंग आएगी उस हिसाब से और बेहतर करेंगे।

-बजरंग दुबे, सीईओ जिला पंचायत

खबर संक्षेप

जोन अध्यक्ष के नेतृत्व में उप मुख्यमंत्री का सम्मान

भिलाई। वार्ड 34 के पार्षद और जोन 3 के अध्यक्ष जालंधर सिंह के नेतृत्व में प्रदेश के उपमुख्यमंत्री अरुण साव का स्वागत किया गया। इसके बाद नगर आगमन पर उनका सम्मान किया गया। वार्ड नंबर 33 संतोषी पारा कैंप 2 में फूल माला के साथ स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व जिला अध्यक्ष महेश वर्मा, नेता प्रतिपक्ष भोजराम सिन्हा, पार्षद संतोष मौर्य, शैलजा राजू, पार्षद लक्ष्मी दिवाकर, पार्षद प्रियंका भोला साहू, पार्षद नोहर वर्मा, गिरजा बछोड़, पार्षद शकुंतला साहू, पार्षद ईश्वरी नेता, कैंप मंडल उपाध्यक्ष ममता भारद्वाज, रुक्मणि सहित अन्य मौजूद थे।

मॉडिफाई साइलेंसर का उपयोग, 5 हजार जुर्माना

भिलाई। नेहरू नगर चौक ट्रैफिक पुलिस ने जांच के बाद तेज आवाज वाले मॉडिफाई साइलेंसर को जब्त किया। वाहन चालक पर 5 हजार रुपए का चालान किया। पुलिस ने बताया कि किसी ने पुलिस कंट्रोल रूम में जानकारी दी कि वाइशेप ब्रिज से एक बुलेट गुजर रही है, जो काफी आवाज कर रही है। इसक बाद आरोपी वाहन चालक को नेहरूनगर में रोका गया। साइलेंसर को निकाला गया। वाहन सीजी 07सीवी 1057 पर कार्रवाई की गई।

सेफी ने उच्च ग्रेड के मकानों का थर्ड पार्टी आवंटन निरस्त करवाने पीएम को लिखा पत्र

सरकारी अफसर रिटायर और तबादले के बाद भी बीएसपी के आवासों में काबिज

संयंत्र के अधिकारियों को नहीं मिल रहे मकान, आवास भत्ता से भी वंचित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

सेल अधिकारियों के संगठन सेफी ने अब राज्य शासन के रिटायर और स्थानांतरित अधिकारियों के बीएसपी टाउनशिप के काबिज बड़े आवासों को खाली करवाने के लिए उच्च स्तरीय दबाव बढ़ाना तेज कर दिया है। कब्जे के कारण बीएसपी अधिकारियों को मकान नहीं मिल पाने का हवाला देते हुए सेल के बीएसपी में उच्च ग्रेड आवासों का थर्ड पार्टी आवंटन निरस्त करने की मांग सीधे प्रधानमंत्री से की है।

सेफी ने पीएम को लिखे पत्र में कहा है कि बीएसपी के बहुत से बड़े मकानों में छत्तीसगढ़ शासन के उच्च अधिकारी काबिज हैं। इनमें ऐसे सरकार के अधिकारी शामिल हैं, जो वर्तमान में दुर्ग जिले में पदस्थ नहीं है, उनका अन्यत्र स्थानांतरण हो चुका है। वे सेवानिवृत्त होने के बाद भी बीएसपी के बड़े मकानों पर अपना कब्जा जमाए बैठे हैं। इन अधिकारियों के प्रभाव के चलते सेल व बीएसपी प्रबंधन बेबस हो चुका है। बीएसपी आवासों में कब्जों से सेल अधिकारियों को अपने ग्रेड के अनुरूप बेहतर आवास प्राप्त नहीं हो पा रहे हैं। इन कब्जों को जल्द खाली करवाने के लिए उच्च स्तरीय प्रयास की आवश्यकता है।

उच्च ग्रेड के मकानों को यदि खाली कराना संभव नहीं है तो कार्मिकों को बेहतर मकान के लिए मकान किराया भत्ता प्रदान किया जाए। सेल की एकरूप एचआरए पॉलिसी न होने के कारण कार्मिकों में एचआरए विसंगतियों से असंतोष व्याप्त है। भिलाई, बोकारो, दुर्गापुर आदि इस्पात संयंत्रों में कंपनी के कई बड़े मकानों को थर्ड पार्टी को आबंटित किया गया है। इन समस्याओं के चलते कार्मिकों को पात्र मकान उपलब्ध नहीं हो पा रहे हैं एवं कई कार्मिक टाउनशिप से बाहर रहने पर मजबूर हैं।

बीएसपी अधिकारियों को दें बेहतर आवास भत्ता

ओए-बीएसपी ने सितंबर में इस्पात मंत्री एचडी कुमारस्वामी से उनके भिलाई प्रवास के समय इस विषय पर चर्चा की थी। चर्चा में सेल चेयरमेन व डायरेक्टर इंचार्ज, बीएसपी भी उपस्थित थे। इस्पात सचिव से भी समाधान करने का आग्रह किया था। पूर्व में पीएम को भी भेजे पत्र में बीएसपी व अन्य संयंत्रों के उच्च ग्रेड के मकानों को थर्ड पार्टी आबंटन निरस्त करवाने के लिए हस्तक्षेप करने और कार्मिकों को पात्रता अनुसार उच्च ग्रेड के मकान उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में उन्हें मकान किराया भत्ता चालू करवाने के लिए हस्तक्षेप करने के लिए अनुरोध किया था। इस्पात मंत्रालय द्वारा सेफी को सूचित किया गया कि इस शिकायत को सुझाव के रूप में स्वीकार किया गया है। मंत्रालय के संयुक्त सचिव दया निधान पाण्डेय ने यह पत्र सेफी चेयरमेन नरेन्द्र कुमार बंछोर को भेजा है।

जन प्रतिनिधियों का भी कब्जा

सेफी अध्यक्ष नरेन्द्र कुमार बंछोर ने बताया कि बीएसपी टाउनशिप के सेक्टर-5, 9, 10 व 32 बंगला में अत्यधिक संख्या में बड़े मकानों में शासकीय अधिकारियों और पूर्व जनप्रतिनिधियों का कब्जा है। अनेक नेताओं और अधिकारियों ने मकानों का विस्तार कुछ इस प्रकार से किया है कि वे जीवन पर्यंत उस पर काबिज रहेंगे और बाद में उनका परिवार। सेफी ने मांग की कि राज्य शासन व केंद्र सरकार इस पर रोक लगाए। ताकि समस्या का निराकरण हो सके।

लॉटरी निकालकर 15 हितग्राहियों को दिया पीएम आवास सर्टिफिकेट

पाए गए कुल 15 हितग्राही पात्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दुर्ग

■ 11 हितग्राहियों को भवन अनुज्ञा प्रमाण पत्र जारी

प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत माँ कर्मा, गणपती विहार, गोकुल नगर पुलगांव, सरस्वती नगर व पोटिया कला में निर्मित फ्लैट आवास के लिए कुल 15 हितग्राही पात्र पाए गए। पात्र हितग्राहियों के आवास आबंटन के लिए डाटा सेंटर में खुली लाटरी पद्धति से आवासों का आबंटन किया गया।

इस दौरान मेयर अलका बाघमार ने एमआईसी सदस्य शेखऱ चन्द्राकर, ज्ञानेश्वर ताम्रकर के साथ कार्यपालन अभियंता दिनेश नेताम व हितग्राहियों की उपस्थिति में एक-एक कर सभी 15 पात्र हितग्राहियों को आवास आबंटन पत्र प्रदान किया गया। लॉटरी के दौरान महापौर श्रीमती बाघमार ने प्रधानमंत्री आवास योजना के बीएलसी घटक के तहत 11 हितग्राहियों को भवन अनुज्ञा प्रमाण पत्र जारी किया गया। प्रमाण पत्र जारी करने के पश्चात सभी हितग्राहियो को हिदायत दी गई कि वे जल्द से जल्द निर्धारित अवधि में अपना मकान बना लें ताकि 32850 का अतिरिक्त लाभ उन्हें मिल सके।

महापौर ने सभी हितग्राहियों को नए आवास में प्रवेश के लिए शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर प्रधानमंत्री आवास योजना के कार्यपालन अभियंता दिनेश नेताम, आवास प्रेरक सचिन ताम्रकार, प्रितेश वर्मा, क्लर्क रामदास साहू व अन्य स्टाफ उपस्थित थे।

जेएलएन उत्कर्ष योजना : प्रवेश परीक्षा परिणाम के जारी

दुर्ग। पंडित जवाहर लाल नेहरू उत्कर्ष योजना वर्ष 2025-26 में कक्षा 6वीं में प्रवेश के लिए परीक्षा प्रयास आवासीय विद्यालय मालवीय नगर चौक में आयोजित किया गया था, जिसका परीक्षा परिणाम जारी किया जा चुका है। परीक्षा परिणाम कार्यालयीन समय में अवलोकन किया जा सकता है।

पारंपरिक औजारों की पूजा की और स्पर्धाओं के विजेताओं को किया पुरस्कृत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दुर्ग

हरेली पर्व हमारी धरती , परिश्रम और किसान जीवन का उत्सव है विधायक ललित चंद्राकर दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत आदर्श ग्राम कोड़िया एवं आलबरस में ग्रामवासियों के संयुक्त तत्वावधान में हरेली महोत्सव धूम धाम से मनाया गया । मुख्य अतिथि दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर सम्मिलित होकर खेती-किसानी से जुड़े पारंपरिक कृषि औजारों की विधिवत पूजा-अर्चना कर क्षेत्र में उत्तम फसल, हरियाली एवं समृद्धि की मंगलकामना की। इस अवसर पर सभी ग्रामवासियों से एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण करने एवं एक सोखता पुत्र के नाम संकल्प लेने की अपील की गई व पौधरोपण किया गया। साथ ही पारंपरिक खेल प्रतियोगिता में प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों का नगद राशि व प्रतीक चिन्ह से सम्मानित किया गया।

आईडीबीआई बैंक ने जिला पंचायत को काऊ कैचर वाहन प्रदान किया

दुर्ग। आईडीबीआई बैंक द्वारा कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी सीएसआर मद के अंतर्गत जिला पंचायत दुर्ग को काऊ कैचर वाहन प्रदान किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर अभिजीत सिंह ने आईडीबीआई बैंक और जिला पंचायत दुर्ग की इस संयुक्त पहल की सराहना की। यह पहल स्वच्छता, पशु कल्याण और नगर प्रबंधन के क्षेत्र में सराहनीय कदम माना जा रहा है। जिपं. सीईओ<None> बजरंग कुमार दुबे ने बताया कि यह काऊ कैचर गाड़ी विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों और हाईवे के किनारे सक्रिय रूप से कार्य करेगी, जिससे सड़क सुरक्षा को बेहतर बनाया जा सके। इस अवसर पर आईडीबीआई बैंक के क्षेत्रीय प्रमुख सरबजीत सिंह भिलाई और शाखा प्रमुख एवं डिप्टी जनरल मैनेजर अनुप विश्वकर्मा भिलाई

आयुक्त ने किया शहर निरीक्षण, सड़क पर झूलती डालियों को काटने के दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दुर्ग

■ कमिश्नर ने वार्डों का किया भ्रमण, सफाई व्यवस्था जोर

निगम आयुक्त सुमित अग्रवाल ने सुबह निरीक्षण के दौरान पूरी तरह एक्शन मोड में नजर आए। उन्होंने सुबह साइंस कॉलेज के मुख्य द्वार से वाय शेप ब्रिज होते हुए प्रथम बटालियन तक का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान वार्डों के उप अभियंता पंकज साहू, स्वास्थ्य अधिकारी धर्मेंद्र मिश्रा, कर्मशाला अधीक्षक शोएब अहमद, पीआईयू शेखऱ सहित वार्डों से संबंधित दरोगा, सुपरवाइज़र, सफाई टीम के कर्मचारी तथा अतिक्रमण हटाने वाली टीम व सफाईकर्मी अपने उपकरणों और फावड़े के साथ मौजूद रहे। आयुक्त सुमित अग्रवाल ने निरीक्षण के दौरान

सड़क किनारे उगी गाजर घास को तत्काल हटाने और सड़क पर झुकते पेड़ों की डंगालियों की छंटाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि मुख्य मार्गों सहित वार्डों के भीतर भी गहन सफाई अभियान चलाया जाए, ताकि नागरिकों को स्वच्छ और व्यवस्थित वातावरण मिले। उन्होंने सफाई और निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए मौके पर मौजूद अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू होने के साथ ही दक्षता बढ़ाने पर दिया गया जोर

बदलते परिवेश में तकनीकों पर बढ़ी है निर्भरता : कुलकर्णी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दुर्ग

■ कार्यालय स्थापना एवं अभिलेख संधारण पर कार्यशाला

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय के आईक्यूएसी द्वारा तृतीय वर्ग कर्मचारियों एवं लैब तकनीशियन के लिए कार्यालय स्थापना एवं अभिलेख संधारण पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ मुख्य वक्ता डॉ. तपेश चंद्र गुप्ता, अपर संचालक, उच्चशिक्षा विभाग छत्तीसगढ़ शासन एवं प्राचार्य, शास.जे. योगानंदम छत्तीसगढ़ महाविद्यालय, रायपुर के स्वागत से किया गया। प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू होने के साथ ही हमें अपनी दक्षता और अधिक बढ़ाने की आवश्यकता है, जिससे हम जिम्मेदारियों को सुचारू रूप से पूर्ण कर सकें। कार्यशाला की समन्वयक डॉ. प्रज्ञा कुलकर्णी ने सम्पूर्ण कार्यक्रम की रूपरेखा एवं इसके उद्देश्यों को प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि समय के साथ बदलते परिवेश में तकनीकों पर बढ़ती निर्भरता एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति के उद्देश्यों को पूर्ण करने के लिए अध्ययन-अध्यापन के साथ-साथ ही प्रयोगशाला एवं कार्यालय दोनों का सामजंस्य आवश्यक है। इसलिए समय-समय पर इस तरह की कार्यशाला आवश्यक रूप से की जानी चाहिए।

कठिनाइयों को हल करने की बताई विधि

पश्चात तकनीकी सत्र में कार्यक्रम के विशेषज्ञ वक्ता डॉ. तपेशचंद्र गुप्ता ने प्रतिभागियों को सेवा पुस्तिका के संधारण, पर्सनल फाइल के अपडेशन, भंडार क्रय नियम, स्टॉक रजिस्ट्रार का संधारण, पेंशन स्कीम, ई-डॉक्यूमेंटेशन, डेटा का क्लासिफिकेशन, स्पोर्ट्स पर्चेस एवं नियमावली किताब पर विस्तृत जानकारी दी तथा इन सभी मामलों से जुड़े कठिनाईयों को हल करने की विधि को समझाया। उन्होंने व्याख्यान के पश्चात प्रतिभागियों द्वारा ऑफिस एवं लैब संचालन में आने वाली समस्याओं से संबंधित सभी की जिज्ञासाओं का सटीक उत्तर दिया।

कार्यशाला में ये रहे मौजूद

कार्यशाला में महाविद्यालय के आफिस स्टॉफ एवं प्रयोगशाला तकनीशियन के साथ ही प्राध्यापक डॉ. एस.एन. झा, डॉ. सुनीता मैथ्यू, डॉ. तरलोचन कौर, डॉ. सीतेश्वरी चन्द्राकर, डॉ. संजू सिन्हा, डॉ. अभिषेक मिश्रा, डॉ. कुसुमांजलि देशमुख एवं डॉ. लतिका ताम्रकार एवं संगीत महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. रिचा ठाकुर उपस्थित रहें। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सुनीता बी मैथ्यू ने व कार्यक्रम का संचालन डॉ. संजू सिन्हा ने किया।

खबर संक्षेप

कांवड़ यात्रा 28 को

सेलूद। बोल बम कांवड़ यात्रा समिति पाटन क्षेत्र के तत्वावधान में 28 जुलाई को कांवड़ यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। समिति के संयोजक जितेंद्र वर्मा के नेतृत्व में सभी शिवभक्त पाटन ओग्गर तालाब में विराज भगवान शंकर की पूजा अर्चना कर जल लेकर टोलाघाट के लिए निकलेंगे।

निधन

लक्ष्मी बाई पांडे

अंडा। ग्राम रिसामा निवासी लक्ष्मी बाई पांडे 75 वर्ष का 25 जुलाई को निधन हो गया। वे प्रशांत पांडे मुन्ना एवं पंकज पांडे की मां थीं। उनकी अंतिम संस्कार गृहग्राम के मुक्तिधाम में किया गया।

बालकृष्ण भांडारे

भिलाई। संयुक्त भवन कुरूद रोड कोहका निवासी बालकृष्ण भांडारे का निधन 25 जुलाई को हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 26 जुलाई को दोपहर 12 बजे निवास स्थान से रामनगर मुक्तिधाम के लिए निकलेगी। वे महेश भांडारे के भाई, आनंद भांडारे के पिता, उज्जवल भांडारे, स्वप्निल भांडारे के चाचा थे।

दीपचंद गोधा

भिलाई। नेहरू नगर भिलाई निवासी खंडेलवाल दिगंबर जैन सभा सेक्टर 6 के संरक्षक दीपचंद गोधा उम्र 85 वर्ष का निधन 25 जुलाई को हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 25 जुलाई को दोपहर 2:30 बजे छत्तीसगढ़ अग्रवाल धर्मशाला के पास प्रियदर्शनी परिसर निवास से रामनगर मुक्तिधाम के लिए निकली जहां उनका अंतिम संस्कार किया गया। वे भारत जैन के पिता थे।

संकट : अच्छी बारिश के बावजूद खेती पर मुसीबत के बादल

डीएपी नहीं मिलने से किसान हो रहे परेशान, जिला प्रशासन से लगाई गुहार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जामगांव आर

सावन का महीना खेतों में धान की हरे हरे पौधों से आच्छादित खेत और अन्य जगह पर छाई हरियाली मनमोहक बनी हुई है चाहूं ओर ग्रीन जोन बना हुआ है।चारों तरफ हरियाली से किसान काफी प्रसन्न है। लेकिन इस बीच डीएपी खाद नहीं मिलने की पीड़ा किसानो को मायूस कर रही है।

डीएपी 1370 रु. से अधिक मिलने पर करे शिकायत: डीडीए

मौजूदा कृषि सत्र में किसानों पर भगवान की कृपा बरस रही है सरकार की कृपा से डीएपी खाद पर्याप्त मात्रा में मिल जाए तो किसानो को इस साल अच्छे उत्पादन के आसार है। सोसायटियों में डीएपी अब पहुंचने लगी है। डीएपी खाद सोसायटियों में किल्लत के समय मार्केट में डीएपी मिलने से किसानों में आक्रोश है। किसान कहते है मार्केट में डीएपी अधिक कीमत पर बेची जा रही है। इस संबंध में कृषि विभाग के डिप्टी डायरेक्टर कहते है कि डीएपी की कीमत 1370 रु है इससे अधिक बिक्री की सूचना किसान लिखित में विभाग को करे जांच पश्चात कार्यवाही की जा सकेगी।

डीएपी आपूर्ति को लेकर लगातार शिकायतें जारी

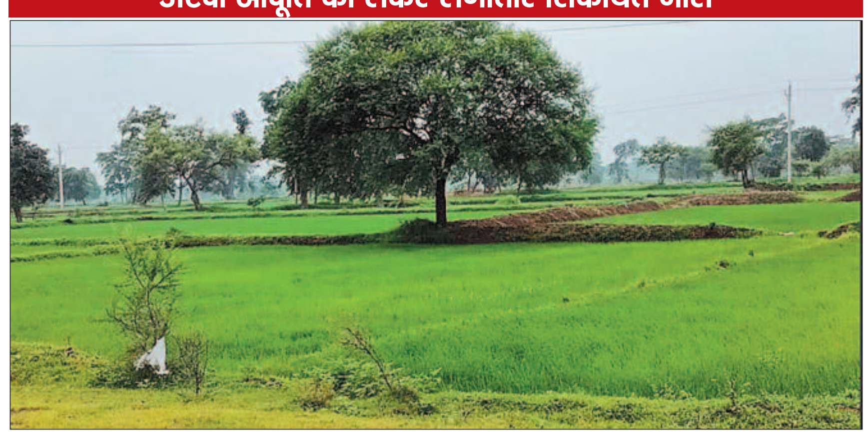

डीएपी उपलब्ध होते ही सप्लाई की जाती है: मैनेजर

शाखा प्रबंधक संतराम सेन ने बताया कि डीएपी खाद की सप्लाई मांग के अनुरूप नहीं आई किंतु खाद आते है मापदंड बनाकर डीएपी किसानों को दिया जा रहा है। किसान डीएपी की जगह सुपर यूरिया का मिश्रण उपयोग करे जो फसल के लिए लाभदायक होगा।

खाद आते ही सप्लाई जारी: भौमिक

जिला विपणन अधिकारी भौमिक बघेल ने बताया कि 4900 टन डीएपी खाद का विक्रय हो चुका है। आवक के क्रम में सतत सप्लाई की जाती रहेगी। वैसे भी किसानों को सुपर और यूरिया का मिश्रण कर डीएपी की पूर्ति की रास्ता को अपनाना चाहिए।

डीएपी खाद सोसायटियों में पहुंची है सोमवार से होगा वितरण

सेवा सहकारी समिति जामगांव आर प्राधिकृत अधिकारी भगवान सिंह चंद्राकर ने बताया कि 4000 बोरी डीएपी खाद की मांग की गई थी 1800 बोरी विक्रय हो चुका है 400 बोरी स्टॉक में है। सोमवार से वितरण की योजना है। 1800 बोरी की डिमांड और है आते ही उसका भी वितरण किया जाएगा। श्री चंद्राकर ने बताया 1650 किसानों में से 1400 किसानों को व्यवस्था अनुकूल अपूर्ण मात्रा में खाद मिल चुकी है आने पर और भी उपलब्ध कराई जाएगी।

खाद का अभाव, मेहनत पर पानी फेर रहा है: किसान

किसान चतुर साहू ने कहा कि सरकार को डीएपी खाद की व्यवस्था में प्रारंभ से ध्यान देना था ।किसान सरकार से बड़ी उम्मीद रखती है। भगवान पानी देकर किसानों का भला कर रहा है और सरकार डीएपी खाद पर्याप्त उपब्ध नहीं कराके किसानों के मेहनत पर पानी फेर रही है। उन्होंने बताया कि डीएपी की जगह वे क्रापस्टार का उपयोग विवशता पूर्वक कर रहे है।

लॉन्ड्री टेंडर में करोड़ों के टर्नओवर की शर्त पर धोबी समाज को आपत्ति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंडा

डीकेएस सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल सिम्स बिलासपुर के शासकीय चिकित्सालय में लॉन्ड्री निविदा में करोड़ों की टर्नओवर की शर्त रखे जाने पर धोबी समाज ने आपत्ति जताई है।

■ समाज के लोग मिले स्वास्थ्य मंत्री से

समाज के लोगों ने रायपुर दक्षिण के विधायक सुनील सोनी के निर्देशन में स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल को बताया कि टर्नओवर की शर्त से साफ है कि इन्हें लॉन्ड्री का कार्य करने वाले पैतृक व्यवसायिक धोबी नहीं चाहिए बल्कि इन्हें व्यापारी चाहिए। समाज के प्रतिनिधियों के मुताबिक स्वास्थ्य मंत्री ने इस पर नाराजगी जाहिर की और अपने अधीनस्थ अधिकारियों से कहा अगर पैतृक व्यवसाय करने वालों के पास करोड़ों का टर्नओवर होता तो लॉन्ड्री का काम ही क्यों करते। उन्होंने अपने निकटतम अधिकारियों से कहा तत्काल रिपोर्ट मंगवाई। इस अवसर पर समाज के प्रदेश अध्यक्ष सूरज निर्मलकर, प्रथम महामंत्री हेमंत निर्मलकर, छत्तीसगढ़ मेडिकल कॉरपोरेशन के अध्यक्ष दीपक म्हस्के, छत्तीसगढ़िया नेता लख नारायण तिवारी, बिलासपुर के वरिष्ठ भाजपा नेता द्वारिकेश पांडे, रायपुर के अध्यक्ष वरुण निर्मलकर, युवा प्रदेश अध्यक्ष रोशन निर्मलकर और बिलासपुर जिला संगठन प्रभारी रामायण रजक आदि अनेक पदाधिकारियों ने स्वास्थ्य मंत्री से कुछ अधिकारियों के द्वारा मनमानी किए जाने की शिकायत की। समाज के लोगों ने कहा किसी व्यक्ति विशेष को लाभ पहुंचाने के लिए मिलकर के टर्नओवर तैयार किया गया है जो पैतृक व्यवसाय करने वाले धोबी समाज के लोगों के साथ अन्याय हैं।

गातापार में ग्रामीणों ने एक पेड़ मां के नाम लगाए

जामगांव आर। ग्राम गातापार में एक पेड़ मां के नाम अभियान में ग्रामीणों ने सहभागिता दी। मुख्य रूप से संतराम साहू , अंकलहू राम साहू, धर्मेंद्र साहू , देवेंद्र साहू, गंगाराम साहू, विवेक साहू, पंकज साहू , योगेश साहू, शारदा साहू ने हरेली त्यौहार पर वृक्षारोपण किया।

युवा जागरुकता अभियान चलाया राजपूत क्षत्रिय समाज ने, लोग जुटे

पाटन। राजपूत क्षत्रिय चौहान महासभा पाटन परिक्षेत्र में युवा जागरूकता अभियान चलाया गया। ठाकुर हेमंत सिंह युवा प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष दुर्ग के प्रभार से पाटन परिक्षेत्र में युवा प्रकोष्ठ का गठन हुआ। युवाओं के साथ साथ वरिष्ठजन पाटन अध्यक्ष ठाकुर सीताराम सिंह चौहान, उपाध्यक्ष ठाकुर सुरेंद्र सिंह चौहान, सचिव ठाकुर बीरबल सिंह चौहान एवं उनकी टीम ने भी युवाओं की इस पहल की सराहना की। वहीं युवा अभियान की तर्ज पर अगले कुछ सप्ताह में महिला जागरूकता अभियान कराने का भी निर्णय लिया। युवा प्रदेश कार्यकारिणी से मनु सिंह, लेख सिंह,मुकेश सिंह, राजेश सिंह, तरुण सिंह एवं प्रदेश कार्यकारिणी उपस्थित थे।

पाटन राज में युवा के कार्यकारिणी के रूप में सलाहकार ठा.घनश्याम सिंह चौहान ऊफराअध्यक्ष ठाकुर राजेश सिंह चौहान खुड़मुड़ी उपाध्यक्ष ठाकुर गजेंद्र सिंह देवबलोदा सचिव ठाकुर महेंद्र सिंह चौहान सोमनी सहसचिव ठाकुर लोकेश सिंह खुड़मुड़ी कोषाध्यक्ष ठाकुर हेमंत सिंह चौहान सोमनी सामाजिक कार्यकारिणी सदस्यगण ठाकुर हितेश सिंह चौहान , सोनू सिंह , राज सिंह चौहान, रोहित सिंह , शुभम सिंह, शौरभ सिंह, राजू सिंह, जागेश्वर सिंह, थानेश्वर सिंह, दुर्गेश सिंह, सुरेंद्र सिंह, तामसिंह चौहान आदि उपस्थित थे ।

पानी निकासी व्यवस्था बंद होने से खेत हुए लबालब

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पाटन

पाटन ब्लॉक के ग्राम गोड़पेंडरी में किसानों के लिए अपने खेतों में फसल उत्पादन असंभव हो गया है। इसका कारण यह है कि खेत में पूरा पानी रुक जाता है एवं खेत तलाब जैसा लबालब दिखने लगा है। पानी निकासी की पारंपरिक नाला को एक क्रेशर संचालक द्वारा बंद कर दिया है। जिसके कारण पानी जमा हो रहा है। खेत तलाब जैसा बन गया है। परेशान ग्रामीणों किसानों ने आज एस डी एम पाटन लवकेश ध्रुव को ज्ञापन सौंपकर फसल को बचाने की गुहार लगाई है।

■ एसडीएम पाटन को ज्ञापन सौंपा प्रतिनिधिमंडल ने

पानी निकासी की व्यवस्था पहले तो थी और किसान खेत पर फसल भी लेते थे लेकिन पिछले कुछ साल से यहां पर एक क्रशर पत्थर खदान संचालक के द्वारा पानी निकासी की व्यवस्था को पूरी तरह बंद कर दिया गया है। ग्रामीणों ने बार-बार पानी निकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने की मांग भी की है लेकिन खदान संचालक की मनमानी के चलते किसान अब फसल नहीं ले पा रहे हैं। इस संबंध में पंचायत के प्रतिनिधियों ने अनुभागीय अधिकारी राजस्व पाटन को ज्ञापन सौंप कर किसानों की पीड़ा को बताई है। जिस पर अब कार्रवाई की उम्मीद जगी है। घनी आबादी वाले क्षेत्र के काफी करीब क्रशर एवं पत्थर का खदान होने से हमेशा जान माल का खतरा ग्रामीणों को बना हुआ है।

ब्लास्टिंग से हो रहा नुकसान, प्रशासन की कार्रवाई का इंतजार

ग्रामीणों ने बताया कि पिछले साल ही क्रशर से पत्थर ब्लास्टिंग के समय दूर एक घर में गिर गया । एक व्यक्ति को चोट भी लग गई है। इसके बाद भी शासन प्रशासन कोई सुध नहीं ले रहा है। खेतों पर पानी लबालब होने से किसान काफी चिंतित है। किसानों का कहना है कि पूर्व की भांति बारिश का पानी निकल सके इसके नाली बनाई जाए। हालांकि एक तरफ नाला बना हुआ है लेकिन जहां दूसरी तरफ से पानी निकलना है वहां पर क्रशर संचालक ने जीरा गिट्टी एवं डस्ट पत्थर को डंप दिया है। वहीं पूरी तरीके से नल को बंद भी कर दिया गया है। इससे किसान परेशान है। ज्ञापन सौंपने के दौरान जनपद सदस्य दुनेश्वर मानकुर,सरपंच तोरण लाल साहू, उपसरपंच पप्पू गायकवाड और रमेश कुर्रे सहित अन्य मौजूद थे।

बिजनेस साइट

सहेली ज्वेलर्स गांधी चौक दुर्ग में द बिगेस्ट गोल्ड चेन फेस्टिवल का लें आनंद

दुर्ग। सहेली ज्वेलर्स के गांधी चौक दुर्ग, सिविक सेंटर भिलाई और बीएसपी मार्केट रिसाली स्थित शो रुम में 11 जुलाई से शुरू हुए 'द बिगेस्ट गोल्ड चेन फेस्टिवल' में गोल्ड चेन की अद्भुत कलेक्शन ग्राहकों के लिए पेश किया गया है। 27 जुलाई तक चलने वाले इस 'द बिगेस्ट गोल्ड चेन फेस्टिवल' में सभी आभूषणों के मेकिंग चार्जेज 5.5% शुरू हैं इसके साथ ही गोल्ड और डायमंड ज्वेलरी पर 100% एक्सचेंज के साथ डायमंड ज्वेलरी मेकिंग चार्जेस पर 100% तक की छूट दी जा रही है। उल्लेखनीय है कि सहेली ज्वेलर्स के तीनों शो रूम में ट्रेडिशनल और मॉडर्न डिजाइन के हैवी और लाइट वेट ज्वेलरी सोने, हीरे, चांदी सहित कुंदन, पोलकी, डायमंड, जड़ाउ, टेम्पल ज्वेलरी के मनमोहक और लेटेस्ट डिजाइन के आभूषणों के साथ शो रूम में चेन और मंगलसूत्र के आकर्षक और लेटेस्ट डिजाइन के साथ ही बैंगल्स, ब्रेसलेट, रिंग्स, नेकलेस आदि का संग्रह उपलब्ध है। इसके साथ ही 100 प्रतिशत आईजीआई प्रमाणित डायमंड, गोल्ड की शुद्धता को मापने के लिए कैरोटोमीटर की सुविधा ग्राहकों को दी जाती है। 'द बिगेस्ट गोल्ड चेन फेस्टिवल' में सभी प्रकार के पारंपरित और डिजाइनर चेन की खरीदारी के लिए सहेली ज्वेलर्स के गांधी चौक दुर्ग, सिविक सेंटर भिलाई और बीएसपी मार्केट रिसाली स्थित शो रुम में विजिट किया जा सकता है।

सुग्घर हरेली तिहार कार्यक्रम में शामिल हुए विधायक चंद्राकर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| उतई

दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत नगर पंचायत उतई में सर्व छत्तीसगढ़िया समाज द्वारा समस्त नगरवासियों के संयुक्त तत्वावधान में दशहरा मैदान स्थित बहुद्देशीय मंच पर हरेली का पावन पर्व बड़ी धूम धाम से मनाया गया। मुख्य अतिथि दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने खेती-किसानी से जुड़े पारंपरिक कृषि औजारों की विधिवत पूजा-अर्चना कर क्षेत्र में उत्तम फसल, हरियाली एवं समृद्धि की मंगलकामना की। इस अवसर पर सभी नगर वासियों से "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान के तहत वृक्षारोपण करने एवं "एक सोखता पुत्र के नाम" संकल्प लेने की अपील की गई,और वृक्षा रोपण किया गया। साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रम में लड़कियों ने छत्तीसगढ़ी गीतों पर नृत्य कर सभी का मन मोह लिया। इसके अलावा पारंपरिक खेल प्रतियोगिता में प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों का नगद राशि व प्रतीक चिन्ह से सम्मानित किया गया। विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि हरेली छत्तीसगढ़ की संस्कृति, परंपरा और किसान जीवन का उत्सव है। सर्व छत्तीसगढ़िया समाज के अध्यक्ष मोतीलाल वर्मा ने विधायक से डोम शेड निर्माण करने की मांग। इस दौरान नगर पंचायत अध्यासक सरस्वती नरेंद्र साहू उपाध्यक्ष शिवनारायण देशमुख संरक्षक भीषम हिरवानी, दिनेश साहू भोला चंद्राकर बहादुर सिंह नेताम पार्षद रमशिला नेताम, सोनू राजपूत, लक्ष्मी नारायण साहू, सतीश चंद्राकर, भीमसेन सिन्हा,लता सोनवानी, विजय लक्ष्मी साहू, खूबी राम साहू, अनिता गढ़े,शिव ठाकुर, संगीत रजक, सुनीता चंद्राकर, प्रहलाद वर्मा, नरेंद्र साहू, भावेश साहू, किशोर साहू, गिरीश साहू, विक्रम डोंडे, संतोष बंभोले, तुलाराम साहू सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि सहित आदि मौजूद थे।

फेडरेशन के आंदोलन के लिए जिलेवार पर्यवेक्षक नियुक्त, 22 को कामबंद हड़ताल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सेलूद

छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के तत्वावधान में प्रदेश के कर्मचारियों एवं पेंशनरों को केन्द्र के समान देय तिथि से महंगाई भत्ता, डी.ए. एरियर्स की राशि को जी.पी.एफ. खाते में समायोजित करने, वेतन विसंगति सहित 11 सूत्रीय मांगों को लेकर द्वितीय चरण के तहत 22 अगस्त 2025 को सामुहिक अवकाश लेकर कलम बंद, काम बंद आंदोलन करने का निर्णय लिया गया है। फेडरेशन के प्रांतीय संयोजक कमल वर्मा ने प्रांतव्यापी आंदोलन को सफल बनाने के लिए जिला स्तरीय समीक्षा बैठक आहूत करने प्रांत अध्यक्षों/पदाधिकारियों को पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। साथ ही समस्त जिला प्रभारियों से अपने प्रभार के जिले में 10 अगस्त तक समीक्षा बैठक अनिवार्यातः संपन्न कराने कहा गया है।

शंकराचार्य अस्पताल में पहली बार चैतन्य अवस्था में स्तन का सफल ऑपरेशन

भिलाई। शंकराचार्य अस्पताल में 46 वर्ष की एक महिला मुन्नी बाई परिवर्तित नाम दाहिने तरफ के स्तन में गांठ के साथ सर्जरी विभाग के यूनिट 4 में भर्ती हुई। जिसका एफएनएसी के बाद सर्जनो ने दाहिने स्तन का एमआरएम मार्डिफाईड रेडिकल मिस्टेक्टामी ऑपरेशन के लिए मरीज़ को तैयार किया। निश्चेतना विभाग की तरफ से पीएसी में मरीज़ को कुछ हृदय संबंधी समस्या होने की वजह से ऑपरेशन पूरी बेहोशी की जगह थोरेसिक इपीड्यूरल छाती के पीछे रीढ़ की हड्डी के बीच में केथेटर डालकर निश्चेतना में ऑपरेशन करवाने की सलाह दी गई। जिसे डॉ. संजीव कुमार अग्रवाल प्रोफेसर निश्चेतना के द्वारा अपने सहयोगी डॉ. आदित्य जैन एवं निश्चेतना पीजी स्टूडेंट्स डॉ. अमन सोनी और डॉ. मीनाक्षी पटेल के साथ सफलतापूर्वक पूर्ण किया। थोरेसिक ईपीड्यूरल मे स्तन का ऑपरेशन शंकराचार्य अस्पताल मे पहली बार हुआ है। इस पद्धति से निश्चेतना में मरीज़ होश में रहता है और उसे ऑपरेशन के पूर्व, ऑपरेशन के दौरान एवं ऑपरेशन के बाद भी कोई दर्द नहीं होता, साथ ही साथ जनरल एनेस्थेसिया से इसमें खर्च भी कम आता है। निश्चेतना की यह पद्धति निश्चेतना विभाग के प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष डॉ रोजलिन जोहरा अली के मार्ग दर्शन मे संपन्न हुआ। ऑपरेशन डॉ. मनीषा, डॉ. हरि महोबिया, डॉ. रूप नारायण द्वारा सर्जरी विभाग के प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष डॉ. तरुण नायक के मार्गदर्शन मे संपन्न हुआ।

निबंध प्रतियोगिता में भावना हिमांशु और भेनु ने बाजी मारी

अंडा। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय विनायकपुर में टाटा बिल्डिंग इंडिया स्कूल निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। युवाओं को प्रेरित करने और राष्ट्र निर्माण की भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से टाटा समूह द्वारा हर साल देश भर के 400 से अधिक शहरों के स्कूलों में यह प्रतियोगिता आयोजित की जाती है। विनायकपुर में टाटा बिल्डिंग इंडिया के कार्यकर्ता अविनाश चंद्राकर, विनय चंद्राकर ,यज्ञेश चंद्राकर ने प्राचार्य मनजीत सिंह राजपूत के निर्देश में प्रभारी प्रेमलता योगी देवांगन के माध्यम से प्रतियोगिता का शुक्रवार को किया। जिसमे शाला से 30 विद्यार्थी शामिल हुए। निबंध प्रतियोगिता में प्रथम भावना निर्मलकर ,द्वितीय हिमांशु पटेल और तृतीय भेनु देवांगन रहे। सभी विजेताओं को मैडल व प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किए गए कार्यक्रम में शाला के शिक्षकगण भातेंद्र गंगराले ,सरस्वती उमरे, रोहित देशमुख, देवश्री साहू ,शैलेंद्र साहू पूर्णिमा कोसले आदि उपस्थित थे।

नाम परिवर्तन

यह सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नाम - सुमेर सिंह (SUMER SINGH), पिता का नाम - लाल जी सिंह (LALJI SINGH), निवासी पता मकान नंबर 26 वार्ड क्रमांक 6, पोस्ट - मल्हार, मस्तूरी, जिला- बिलासपुर छत्तीसगढ़ पिन - 495551, ने स्वेच्छा से अपना नाम बदलकर नया नाम - सुमेर सिंह ठाकुर (SUMER SINGH THAKUR) रखने का निर्णय लिया है। अब से सभी शासकीय और अशासकीय कार्यों में नया नाम सुमेर सिंह ठाकुर (SUMER SINGH THAKUR) का ही उपयोग किया जाएगा। पुराना नाम सुमेर सिंह (SUMER SINGH) का उपयोग अब मान्य नहीं होगा।

नाम - **सुमेर सिंह ठाकुर**
(SUMER SINGH THAKUR)
पता - मकान नंबर 26 वार्ड क्रमांक 6,
पोस्ट - मल्हार, मस्तूरी, जिला-बिलासपुर
छत्तीसगढ़, पिन - 495551
संपर्क नंबर - 9981630330
मेल आई डी -
abhijeetsingg@gmail.com

आम सूचना

एतद्द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, की मेरे पक्षकारगण सत्यप्रकाश कोसरे एवं अन्य 04 पिता स्व अंकलहा निवासी ग्राम डुन्डेरा तहसील व जिला दुर्ग के पैतृक संपत्ति ग्राम ग्राम डुन्डेरा प.ह.न. 50 रा.नि.मं. रिसाली तहसील व जिला दुर्ग में खसरा क्रमांक 385/1, 380/1, 223 रकबा क्रमांक 0.21, 0.1120, 0.03 स्थित है। उक्त पैतृक कृषि भूमि एवं आवासीय मकान पूर्व में बीजेराम पिता भंजन के नाम पर अभिलेख में दर्ज रहा है, उनकी मृत्यु उपरांत मेरे पक्षकारगण सत्यप्रकाश कोसरे एवं अन्य 04 की जानकारी बिना वर्तमान में गैंदलाल, जैनलाल, कीर्तन, जैनबाई, विजनबाई, केवराबाई पिता बिजेराम एवं गोपाल, ओमप्रकाश, उमेश, पार्वती, खेमीन पिता जैनलाल रुखमणि पति जैनलाल के द्वारा अपना-अपना राजस्व अभिलेख में नाम दर्ज करवा लिए हैं। उपरोक्त वर्णित पैतृक कृषि भूमि एवं आवासीय मकान में मेरे पक्षकारगण का समान हिस्सा व हक हैं। उपरोक्त वर्णित कृषि भूमि एवं आवासीय मकान को अभिलेख में नाम दर्ज होने के आधार पर उपरोक्त वर्णित व्यक्तियों के द्वारा हस्तांतरण / विक्रय हेतु प्रयास किया जा रहा है, यदि कोई भी व्यक्ति संस्था, शासकीय, अर्द्धशासकीय के उपरोक्त वर्णित संपत्ति के खरीदी बिक्री के संबंध में किसी प्रकार का कोई लेन देन किया जाता है। वह मेरे पक्षकारगण के हित व अधिकार को प्रभावित करने वाला होने से प्रत्येक लेन देन संव्यवहार अवैध गैरकानूनी व शून्य होगा। यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था शासकीय अर्द्धशासकीय द्वारा उक्त भूमि के खरीदी बिक्री के संबंध में किसी प्रकार का कोई कर लिया हो तो इस नोटिस के मुकाबले अवैध व शून्य होगा।

अतः सूचना जाने

सोनल साहू
(अधिवक्ता)
बी.ए. एल.एल.बी.
पता ग्राम कोकड़ी दुर्ग
बार रुम नं. 06 जिला एवं
सत्र न्यायालय, दुर्ग (छ.ग.)
मों. नं. 7987381739, 7049753618

शैलदेवी महाविद्यालय
ADMISSION OPEN
BA (Home Science Geography)
DCA
BSc Maths CS/Bio
PGDCA
BCA AICTE Approved
B.Lib
BCom
PG Diploma in YOGA
MCom
BEd
MSW
DElEd
MA Hindi
BSc BEd
MSc Physics & Chemistry Computer Science
Anda, Durg
☎: 9575037637, 6265377477

टाउनशिप के उपभोक्ताओं को अब अधिक बिजली बिल देना होगा

हरिभूमि न्यूज ▸▸। भिलाई

बीएसपी ने जारी किया नया टेरिफ, देना होगा अतिरिक्त चार्ज

बीएसपी टाउनशिप के उपभोक्ताओं पर अब फिर बिजली का भार बढ़ेगा। राज्य विद्युत नियामक आयोग की मंजूरी के बाद भिलाई इस्पात संयंत्र विद्युत अभियांत्रिकी विभाग (टीईई) ने वर्ष 2024-25 के लिए नई टेरिफ दरें घोषित कर दी हैं। बीएसपी द्वारा 0.88 प्रतिशत अधिक दर पर प्रति बिजली बिल देय होगा। बढ़ाई गई बिजली दर एक अगस्त से लागू होगी।

उल्लेखनीय है कि भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा बिजली दर बढ़ोत्तरी का प्रपोजल छग राज्य विद्युत नियामक आयोग के सामने रखा था। सेल भिलाई इस्पात संयंत्र को विद्युत अभियांत्रिकी विभाग द्वारा राज्य विद्युत नियामक आयोग से टाउनशिप के अपने उपभोक्ताओं को बिजली आपूर्ति करने में

- राज्य विद्युत नियामक आयोग की मंजूरी के बाद नए दरें होंगी लागू
- टाउनशिप में बढ़ाई गई बिजली दर 1 अगस्त से होगी लागू

अधिक राशि खर्च होने का हवाला देते हुए बिजली दर बढ़ाने की अनुमति मांगी थी। बीएसपी ने 11 से 15 रुपए प्रतिशत तक बिजली दर बढ़ाने का आग्रह किया था। लेकिन भिलाई चेंबर आफ कामर्स व टाउनशिप के व्यवसायियों ने 15 रुपए प्रति यूनिट दर को अधिक बताते हुए इसका विरोध कर कम बढ़ोत्तरी की मांग आयोग से की थी। राज्य नियामक आयोग के पत्र के बाद बीएसपी से उपभोक्ताओं को थोड़ी राहत मिलेगी। आयोग ने चेंबर की आपत्ति के बाद 0.88 परसेंट तक रेट में वृद्धि की मंजूरी दी है। बीएसपी आज नई टेरिफ दरें लागू करने का सर्कुलर जारी कर दिया है। इसमें डोमेस्टिक व कर्मशियल दोनों की बिजली दर बढ़ा दी गई है। बढ़ाई गई दर 0.88 प्रतिशत अधिक है।

फिक्स्ड चार्ज भी बढ़ेगा

आदेश के अनुसार उपभोक्ता एलवी श्रेणी में एलटी - डोमेस्टिक उपयोग के लिए उपभोक्ता को जीरो से 100 यूनिट बिजली उपयोग के लिए 20 रुपए न 101 से 200 यूनिट्स पर 5 किलो वाट के तहत फिक्स्ड चार्ज देना होगा। वहीं 201 से 400 यूनिट्स 30 और 401 से 600 यूनिट्स बिजली के लिए फिक्स्ड चार्ज लगेगा।

खबर संक्षेप

यूआरएम ने किया 5 मिलियन टन प्राइम रेल उत्पादन

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र की अत्याधुनिक यूनिवर्सल रेल मिल (यूआरएम) ने 5 मिलियन टन प्राइम रेल उत्पादन का कीर्तिमान स्थापित किया। वर्ष 2016 के दिसंबर माह में वाणिज्यिक उत्पादन आरंभ करने वाली इस इकाई ने मात्र आठ वर्षों में यह उपलब्धी हासिल की । इससे भारतीय रेलवे को मांग के अनुरुप रेल की आपूर्ति बढ़ेगी। यूआरएम ने भारतीय रेलवे की तकनीकी आवश्यकताओं के अनुरूप समय-समय पर अपने उत्पादों को विकसित किया है। ग्रेड 880 रेलों से लेकर उन्नत ग्रेड आर260 और आर350 एचटी रेलों का उत्पादन, यूआईसी-60 से 60ई 1 प्रोफाइल में बदलाव, तथा आरडीसीआईएस के साथ मिलकर आर -350 एनसी है। गुणवत्ता के क्षेत्र में भी यूआरएम ने उत्कृष्टता का परिचय दिया है। वित्त वर्ष 2017-18 में जहाँ गुणवत्ता स्वीकृति दर 82% थी, वहीं वर्तमान में यह बढ़कर 96% हो गई है, जो वैश्विक मानकों के अनुरूप है।

सेवानिवृत्त अधिकारियों का सम्मान आज

भिलाई। बीएसपी आफिसर्स एसोसिएशन द्वारा जुलाई माह में सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारियों का सम्मान समारोह शनिवार को 6.45 बजे प्रगति भवन में आयोजित है। 14 सेवानिवृत्त अधिकारियों का सम्मान किया जाएगा। सम्मानित किए जाने वाले अधिकारियों में राजीव कुमार श्रीवास्तव सीजीएम (प्रोजेक्ट्स), सुधीर शोरटे, जीएम (आरएसएम), सेवाराम जटरेले, जीएम (इंस्ट्रुमेंटेशन), डॉ. नोहर सिंह ठाकुर (मेडिकल), श्याम नारायण सिंह यादव, जीएम (पीबीएस), सुनील कुमार, डीजीएम (एमडब्ल्यूआरएम), मो. आरिफ खान, एजीएम (आईईडी), मृदुल कुमार श्रीवास्तव, एजीएम (सेफ्टी इंजी.), राजील कुमार रणदिवे, एजीएम (एसपी-3), दिपांकर कुमार मजूमदार, एजीएम (एलडीसीपी), राज कुमार शुक्ला, एजीएम (पीपीएनसी), जी एम वी पदमिनी कुमार, एजीएम (एचआर), बिरेन्द्र कुमार सिंह, सीनियर मैनेजर (बीआरएम), अनिल कुमार फुले, डिप्टी मैनेजर (टीपीएल) शामिल हैं।

नालियों के उपर से अतिक्रमण हटाया

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई जोन क्रं. 03 अंतर्गत नाली के उपर किए गए अतिक्रमण को हटाने की कार्यवाही की गई। वार्ड क्रं. 30 प्रगति नगर एवं 31 मदर टेरेसा नगर क्षेत्र के स्थानीय निवासियों एवं व्यापारियों द्वारा नाली के उपर ढलाई कर अतिक्रमण कर लिया गया था। जिसके कारण नालियों की सफाई करने में परेशानी हो रही है और कचरा फंस जाने के कारण पानी का बहाव अवरूद्ध हो रहा था। समस्या को देखते हुए अवैध अतिक्रमण को जे.सी.बी. से तोड़ा गया और नाली के उपर से कब्जा मुक्त कराया गया। कार्यवाही के दौरान सहायक राजस्व अधिकारी बसंत देवांगन, जोन स्वास्थ्य अधिकारी बीरेन्द्र बंजारे, जोन स्वच्छता निरीक्षक चुड़ामणी यादव, तोड़फोड़ दस्ता प्रभारी हरिओम गुप्ता अपने टीम के साथ उपस्थित रहे।

सावन में बारिश कम — मानसून दस दिन पहले आने की वजह से सिस्टम पर हुआ असर

पिछले साल से खरखरा 30 व तांदुला जलाशय में 6 प्रतिशत कम जलभराव, बारिश भी 5 मिमी कम

हरिभूमि न्यूज ▸▸। भिलाई

सावन मास में सबसे ज्यादा बारिश होती है। इस बार सावन लगे हुए 12 दिन बीत गए हैं, लेकिन झमाझम बारिश नहीं हो रही। इसी महीने में जलाशयों में भी जलभराव इतनी अच्छी हो जाती है कि पूरे सालभर तक यही से पेयजल और सिंचाई के लिए दुर्ग, बालोद और बेमेतरा जिले को पानी मिलता है। मौजूदा हालात ने जलाशयों की स्थिति को भी चिंता में डाल दिया है। प्रमुख जलाशय गोंदली में पिछले साल की अपेक्षा 6 फीसदी और खरखरा जलाशय में 30 फीसदी जलभराव कम है। इसी तरह पिछले साल यानी 25 जुलाई वर्ष 2024 की अपेक्षा औसत बारिश में भी दुर्ग जिला 5 मिलीमीटर कम है।

तांदुला जलाशय में 39.80 प्रतिशत जलभराव

तांदुला जलाशय में 25 जुलाई 2025 को 39.80 प्रतिशत जलभराव ही हुआ है। पिछले साल 25 जुलाई 2024 को 45.25 प्रतिशत पानी भर गया था। यानी वर्तमान में 6 प्रतिशत जलभराव कम है। इस जलाशय से दुर्ग जिले को पेयजल और सिंचाई के लिए पानी मिलता है। यह सबसे बड़ा जलाशय है। दुर्ग जिले के अलावा बालोद, बेमेतरा जिले को भी पानी सिंचाई के लिए छोड़ा जाता है। बीएसपी को भी पानी इसी जलाशय से आता है। जिससे मरोदा टैंक भरता है।

खरखरा जलाशय में 27.68 प्रतिशत जलभराव

खरखरा जलाशय भी बालोद जिले में हैं। वर्तमान में 25 जुलाई 2025 को 27.68 प्रतिशत ही जलभराव हो पाया है। पिछले साल 25 जुलाई 2024 को इस जलाशय का जलभराव 57.65 प्रतिशत हो गया था। इस तरह पिछले साल से 30 फीसदी जलभराव कम है। खरखरा जलाशय की भूमिका तांदुला जलाशय में पानी कम होने की स्थिति में होती है। सिंचाई व पेयजल के लिए जब तांदुला से पानी छोड़ा जाता है और यहां पानी की कमी होती है तो खरखरा जलाशय से तांदुला में पानी शिफट करते हैं। बालोद जिले में सिंचाई के लिए यहां से पानी देते हैं।

इस तरह बारिश भी हुई है कम

मौसम विभाग कैलेंडर में प्री मानसून एक जून से शुरू होती है। 52 साल बाद ऐसा हुआ कि प्री मानसून की बारिश मई के अंतिम 10 दिन पहले ही हो गई। इस अवधि में अच्छी बारिश हुई। जब जून महीने आया तो बारिश के लिए लंबा इंतजार करना पड़ा। 8 जून,15 जून, 16 जून, 23 जून, 28 जून और 29 जून को बारिश हुई। इस बीच सिस्टम खाड़ी में जो बना था वह वापस लौट गया जिससे 1 जून से 7 जून तक और 9 जून से 14 जून तक बारिश ही नहीं हो पाई।

जिले में अब तक 438.7 मिमी वर्षा

मौसम विभाग के मुताबिक एक जून से अभी तक 438.7 मिलीमीटर वर्षा हुई है। पिछले साल 25 जुलाई 2024 तक 443 मिलीमीटर की औसत वर्षा हो चुकी थी। इस तरह अभी 5 मिलीमीटर औसत बारिश कम हुई है। 25 जुलाई 2025 को मौसम विभाग ने भारी बारिश की संभावना जताई थी लेकिन पूरे दिन रूक-रूक कर हल्की बारिश होती रही। तहसील दुर्ग में 1.8 मिमी और तहसील बोरी में 8.0 मिमी बारिश दर्ज की गई है। धमधा, पाटन, भिलाई 3 और अहिवारा में बारिश नहीं हुई है।

ये द्रोणिकाएं हैं सक्रिय

मौसम विभाग के मुताबिक मानसून द्रोणिका जम्मू, चंडीगढ़, बरेली, गोरखपुर, पटना, बांकुरा, कोलकाता, अवदाब के केंद्र तक स्थित है। एक द्रोणिका हरियाणा और उसके आसपास अवदाब के केंद्र तक उत्तर पूर्व मध्य प्रदेश, उत्तर छत्तीसगढ़, दक्षिण झारखंड, उत्तर उड़ीसा होते हुए 3.1 किलोमीटर ऊंचाई पर स्थित है। एक ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण उत्तर छत्तीसगढ़ और उसके आसपास 4.5 किलोमीटर से 5.8 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। दूसरा द्रोणिका उत्तर पूर्व अरब सागर से उत्तर छत्तीसगढ़ तक 4.5 किलोमीटर से 5.8 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है।

भारी वर्षा के लिए 24 घंटे का और इंतजार

एक अवदाब तटीय पश्चिम बंगाल और उससे लगे बांग्लादेश तट के पास स्थित है। इसके पश्चिम उत्तर पश्चिम दिशा में आगे बढ़ते हुए गंगेटिक पश्चिम बंगाल और उससे लगे उत्तर उड़ीसा, झारखंड की ओर अगले 24 घंटे में पहुंचने की संभावना है। जिससे बारिश दुर्ग संभाग में भारी वर्षा हो सकती है।

-डॉ. एचपी चंद्रा,
मौसम विज्ञानी लालपुर छग

रिसाली के 151.46 एकड़ जमीन हस्तांतरण का मुद्दा लोस में उठा

हरिभूमि न्यूज ▸▸। भिलाई

लोकसभा में सांसद विजय बघेल ने रिसाली निगम के जमीन हस्तांतरण का मुद्दा उठाया। वे पहले भी कई फोरम में इस बात को रख चुके हैं। इसके बाद भी हस्तांतरण की प्रक्रिया अटकी हुई है। सांसद बघेल ने सदन में पूछा कि नगर निगम रिसाली को बीएसपी से जो जमीन मिलनी है, वह अब तक क्यों नही मिल पाई है। कब-तक यह जमीन हस्तांतरित की जाएगी। इस पर सदन ने जवाब दिया कि सेल की बैठक हो गई है।

- सांसद विजय बघेल ने केंद्रीय मंत्री से चाही हस्तांतरण की जानकारी

जमीन हस्तांतरण पर चर्चा कर फैसला कर लिया गया है। जल्द ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। रिसाली निगम क्षेत्र की श्रमिक बस्ती, नेवई बस्ती, मरोदा और अन्य वार्ड बीएसपी के क्षेत्राधिकार में है। जमीन पर बस्ती बसी है। वह बीएसपी की है। उसे छत्तीसगढ़ शासन की हस्तांतरण के संबंध में पहले बीएसपी और छग शासन के बीच सहमति हुई थी, लेकिन बीएसपी ने आज-तक भूमि का हस्तांतरण छग राज्य को नहीं किया है। इस वजह से लोगों को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है।

शासन की योजना के तहत पट्टा का वितरण भी निगम प्रशासन नहीं कर पा रहा है। इस वजह से क्षेत्र के लोगों का काफी परेशानी हो रही है। इस्पात मंत्रालय ने लोकसभा के माध्यम से जानकारी दी कि 290.26 एकड़ भूमि वर्ष 2022 में राज्य सरकार को हस्तांतरण का उल्लेख है। 151.46 एकड़ भूमि हस्तांतरण के संबंध में सहमति लंबित है। इस मामले को लेकर सांसद बघेल राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा, सचिव राजस्व अविनाश चम्पावत से भी मिल चुके हैं।

शहीद कौशल यादव भावी पीढ़ी के लिए प्रेरणा है : आईजी गर्ग

हरिभूमि न्यूज ▸▸। भिलाई

शहीद कौशल यादव के शहादत दिवस पर श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान आईजी राम गोपाल गर्ग ने कहा कि जिस तरह के जज्बे के साथ शहर के सपूत कौशल यादव ने देश के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिया, वह भावी पीढ़ी के लिए प्रेरणा है। नौजवान देश और प्रदेश के हित में अपना योगदान दें।

- कारगिल युद्ध शहीद के शहादत दिवस पर दी गई श्रद्धांजलि

उन्होने कहा कि नौजवान पीढ़ी कारगिल युद्ध में शहीद भिलाई शहर के सपूत कौशल यादव के देश के प्रति दिए गए बलिदान को याद करते हुए उन्हें अपना प्रेरणास्त्रोत मानें। उन्होंने कहा कि शहीद कौशल यादव ने कर्तव्य और देश की रक्षा के लिए अपना जान कुर्बान कर दिया। इसलिए वे हमारे भी प्रेरणास्त्रोत हैं और हमेशा रहेंगे। शहादत दिवस पर हुडको कॉलोनी में उनकी प्रतिमा स्थल पर आयोजित था।

इस अवसर पर शहीद कौशल यादव की माता समेत परिवार के अन्य सदस्यों के साथ एसएसपी विजय अग्रवाल, पुलिस के अधिकारी, सेना के वर्तमान, पूर्व सैनिक, एनसीसी कैडेट्स, जनप्रतिनिधि बड़ी संख्या में मौजूद थे। भारत और पाकिस्तान के बीच वर्ष 1999 में हुए कारगिल युद्ध में वीरगति को प्राप्त भारतीय सेना के जवान कौशल यादव को पुष्पांजलि अर्पित करते हुए सलामी दी। छत्तीसगढ़ आर्मी फाउंडेशन के हरप्रीत सिंह, पूर्व सैनिक सेवा परिषद के संस्थापक एवं संरक्षक पवन कुमार निषाद, पूर्व राज्यमंत्री बदरुद्दीन कुरैशी, पूर्व विधायक अरुण वोरा, महापौर नीरज पाल, हुडको के पार्षद व एमआईसी सदस्य सीजू एंथोनी मौजूद थे।

पोटिया चौक पर एसडीएम से गाली-गलौज और मारपीट, तीन गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▸▸। भिलाई

एसडीएम के साथ गाली गलौज कर विवाद करने वाले तीन युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

- आरोपी राजनीतिक रसूख का दिखा रहे थे धौंस

आरोपियों के खिलाफ जुर्म दर्ज किया है। पद्मनाभपुर थाना प्रभारी राज कुमार लहरे ने बताया कि गुरुवार की रात एसडीएम हितेश पिस्दा अपने वाहन से सरकारी काम के लिए निकले थे। इस दौरान पोटिया चौक के पास कार सीजी 7 सीएन 9078 में सवार होकर विद्युत नगर निवासी राकेश यादव, विपिन चावड़ा, कसारीडीह निवासी मनोज यादव ने अपनी कार से उतकर जबरन एसडीएम हितेश पिस्दा के साथ मारपीट कर गाली गलौज की। दबंगई भी दिखाई। घटना को अंजाम देकर तीनों युवक मौके से फरार हो गए। घटना की शिकायत पद्मनाभपुर पुलिस थाने में करने के बाद तुरंत तीनों आरोपियों को पकड़कर पूछताछ की गई। आरोपियों ने पुलिस को बताया कि घटना को अंजाम दिया गया था।

पोटिया चौक बना नशेड़ियों का अड्डा,आए दिन घटनाएं

पोटिया चौक पिछले कुछ समय से नशेड़ियों का अड्डा बना हुआ है। जहां आए दिन मारपीट की घटनाएं हो रही है। संदिग्ध गतिविधियों की वजह से शाम के बाद लोगों का मार्ग से गुजरना दूभर हो गया है। नशेड़ी किस्म के व्यक्ति आए दिन लोगों से उलझते हैं। बता दें कि इस जगह पर अंग्रेजी और देशी शराब की दुकानें संचालित हैं। जहां शराब प्रेमियों का जमघट लगा रहता है। रात के समय अपराधिक किस्म को तत्व भी सक्रिय रहते हैं। एसडीएम से मारपीट की घटना के बाद इस क्षेत्र में पुलिस ने सक्रियता बढ़ा दी है। बहरहाल पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। मामले में पुलिस की विवेचना जारी है। बता दें कि इससे पहले भी घटना स्थल के आसपास छेड़खानी और मारपीट की घटनाएं हो चुकी है। बावजूद इसके पुलिस ने अब तक गंभीरता नहीं दिखाई है।

आंगनबाड़ी और सहायिकाओं ने समस्याओं को लेकर निकाली रैली, कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

भिलाई। जिले की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाओं ने समस्याओं के निराकरण, लंबित मांगों को पूर्ण करने को लेकर दुर्ग कलेक्टर पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। छग जुझारू आंगनबाड़ी कार्यकर्ता-सहायिका कल्याण संघ जिला अध्यक्ष गीता बाघ ने बताया कि संगठन समय-समय पर लंबित मांगों को लेकर आवाज बुलंद किया है। ज्ञापन में सहायिकाओं को शासकीय कर्मचारी घोषित करने, प्रतिवर्ष 10 प्रतिशत मानदेय एमपी के तर्ज पर वृद्धि करने की मांग की गई। ज्ञापन में कहा गया कि पर्यवेक्षक भर्ती तत्काल निकाली जाए, आयु सीमा बंधन हटाते हुए 50 प्रतिशत में पदोन्नति, सहायिकाओं को शत-प्रतिशत पदोन्नत, उम्र का बंधन हटाया जाए। पोषण ट्रेकर एप में कार्य करने के लिए 5 जी मोबाइल और नेट खर्च, आने वाली समस्याओं का निराकरण किया जाए। कार्यकर्ताओं का मानदेय ना काटा जाए और ना ही दबाव बनाया जाए। ऑफलाइन ट्रेनिंग दिया जाए। कार्यकर्ता व सहायिका की सेवा समाप्ति पर 10 लाख दिया जाए। कार्यकर्ता व सहायिका को गंभीर बीमारी होने पर मेडिकल अवकाश के साथ मानदेय दिया जाए, प्रभार में दिये गये कार्यकर्ता व सहायिका को प्रोत्साहन राशि जैसी समस्याओं को लेकर ज्ञापन सौंपा।

पाठक सूचना
हरिभूमि के सुधि पाठकों को अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें- दुर्ग, भिलाई
9300663610, 7489348301

एमएसएमई जिला उद्योग संघ की बैठक में विषय पर हुई चर्चा

सीपीडी ने वेंडरों को बैंक गारंटी बढ़ाए जाने संबंधी पत्र भेजा, एमएसएमई ने जताई आपत्ति

> सदस्यों ने कहा पूर्व कॉन्ट्रैक्ट के साथ छेड़छाड़ ना की जाए

हरिभूमि न्यूज ▸▸। भिलाई

एमएसएमई जिला उद्योग संघ ने उस पत्र पर आपत्ति जताई है, जिसमें बैंक गारंटी बढ़ाने की बात कही गई है। संघ के सदस्यों का कहना है एक बार कान्ट्रैक्ट हो चुका है, उसके साथ सीपीडी छेड़छाड़ ना करे। स्थिति यह है कि पूर्व में जो बैंक गारंटी दिए हैं, उन्हें ही भरपूर काम नहीं मिल रहा है।

संघ की एमएसएमई कार्यालय, कन्हैया स्टील इंडस्ट्री में हुई आपात बैठक में बैंक गारंटी की विसंगतियों के साथ बीएसपी के नए डीआईसी चितरंजन महापात्रा का स्वागत करने की बात हुई। साथ ही सीपीडी द्वारा हाल ही में भेजे गए एक पत्र जिसमें बैंक गारंटी बढ़ाने की बात कही गई है उस पर एमएसएमई ने अपनी आपत्ति दर्ज की। बताया कि पत्र में बैंक गारंटी बढ़ाने की बात कही गई है ताकि वेंडर को ज्यादा से ज्यादा काम मिल सके। लेकिन एमएसएमई ने इसे सिरे से खारिज कर दिया। संघ के सदस्यों का कहना था कि कुछ लोग चाहेंगे कि बैंक गारंटी बढ़े ताकि कुछ लोगों को कुछ ज्यादा काम मिले, वहीं कुछ लोगों को काम कम मिले। पूर्व में बैंक गारंटी देने वालों को ही भरपूर काम नहीं मिल पा रहा।

प्रबंधन से मिलने अध्यक्ष का आश्वासन

बैठक में सदस्यों ने आक्रोश जताया कि कुछ मेंबर को ज्यादा पीओ वैल्यू का काम दिया जाता है तथा कुछ को कम वैल्यू का।केटेगरी वाइज भी ऐसे ही किया जाता है। सदस्यों की बातें सुनने के बाद संघ के अध्यक्ष केके झा ने कहा कि पत्र के माध्यम से बीएसपी प्रबंधन के सामने अपनी बात रखेंगे। अधिकारियों के साथ बात भी की जाएगी ताकि सबको काम में समानता मिले और सबको काम मिलता रहे। उन्होंने कहा कि एमएसएमई को कहीं भी किसी स्तर पर तकलीफ ना हो इस पर हम काम करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि काम बढ़ाने की बात को लेकर जल्द ही राज्य शासन से भी मिला जाएगा। प्रदेश की नई उद्योग नीति का स्वागत किया गया। इस अवसर पर अरविंदर सिंह खुराना, सुशील बंसल,व्यास प्रसाद शुक्ला , रामकुमार बंसल, देशराज यादव, अनिल शुक्ला, केके सिंग, संघ के सचिव मयूर कुकरेजा आदि वेंडर उपस्थित थे।

हरिभूमि लाइव

रायपुर, शनिवार 26 जुलाई 2025

Email id- haribhoomibhilai@gmail.com

7747020002, Message at - 9755819129

03 हरियाली तीज पर जलाएं दीया दूर होगा पति का हर संकट

लाइव इवेंट

प्राकृतिक संसाधनों का हो संतुलित उपयोग, संरक्षण की दिशा में भी हो काम

भिलाई। प्रकृति पर्व हरेली पर पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय दुर्ग में पर्यावरण सेमिनार पर एक्सपर्ट टॉक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में डॉ. विजयलक्ष्मी नायडू ने विषय विशेषज्ञ के रूप में अपना संबोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में प्राचार्य उमाशंकर मिश्र ने छात्र-छात्राओं को पर्यावरण के प्रति सजग रहने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि प्रकृति हमें विरासत में मिली है। इसे बेहतर करना हम सब की जिम्मेदारी है। कार्यक्रम पुष्पा बड़ा, एस के राय, वसुधा तिवारी, तुषार नायडू एवं डॉ. अजय आर्य उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ. अजय आर्य ने कहा कि बच्चे समाज और राष्ट्र का भविष्य है। जैसे आप होंगे वैसा ही हमारा भविष्य होगा। हम सबको प्रकृति के प्रति संवेदनशील बनना चाहिए ग्रीन स्कूल का कार्यक्रम इसी के लिए हमारा आह्वान करता है। प्रकृति हमारे जीवन के लिए आवश्यक है। प्रोफेसर डॉ. विजय लक्ष्मी नायडू ने छात्र-छात्राओं को प्रकृति की विशेषताओं और आवश्यकताओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने आह्वान किया कि प्रत्येक छात्र को एक पेड़ को गोद लेकर अपने नाम का रक्षा सूत्र बांधना चाहिए।तापमान बढ़ने का मुख्य कारण ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन है, जो मुख्य रूप से जीवाश्म ईंधन के जलने, वनों की कटाई और औद्योगिक गतिविधियों के कारण होता है।

ये गैसें, जैसे कार्बन डाइऑक्साइड, मीथेन और नाइट्रस ऑक्साइड, वायुमंडल में गर्मी को बढ़ाती है, जिससे पृथ्वी का तापमान बढ़ जाता है। स्कूलों और घरों में भी पानी बचाएँ - जब पानी इस्तेमाल न हो रहा हो, तो नल बंद रखें । एसके रॉय ने ग्रीन स्कूल को स्पष्ट करते हुए बताया कि पानी और ऊर्जा की बचत, अपशिष्ट प्रबंधन, हरियाली बढ़ाना, और पर्यावरण-अनुकूल प्रथाओं को अपनाना, पर्यावरण शिक्षा, सामुदायिक भागीदारी आदि कार्यक्रम ग्रीन स्कूल के अंतर्गत शामिल हैं।

सिटी इवेंट

रिटायर कर्मी बोले-जब भी मुश्किल आई साथियों का मिला भरपूर सहयोग

भिलाई। बीएसपी एम्पलाइज कोऑपरेटिव एंड वेलफेयर सोसाइटी लिमिटेड सेक्टर-4 ने समारोह का आयोजन कर सेवा से निवृत्त हुए कर्मियों को ससम्मान विदाई दी। अध्यक्ष पूरनलाल देवांगन ने रिटायर कर्मियों को सम्मान पत्र, मिठाई, श्रीफल व अंतिम भुगतान का चेक प्रदान कर उन्हें भविष्य की शुभकामनाएं दी। मर्चेंट मिल से रिटायर हुए आनंद रामटेके ने कहा कि उनके लिए बीएसपी की नौकरी के बाद इस सोसाइटी का सदस्य बनना सबसे बड़ी खुशी थी। पावर एंड ब्लोइंग स्टेशन से रिटायर हुए बिचित्र नायक ने कहा कि तमाम सहकारी समितियों में हमारी सोसायटी श्रेष्ठ है।

- बीएसपी एम्पलाइज कोऑपरेटिव एंड वेलफेयर सोसाइटी ने रिटायर कर्मियों को दी विदाई

ओर हैंडलिंग प्लांट से रिटायर हुए धनराज ईलमकर ने बताया कि उन्हें पहली बार ऋण लेना था और शेयर जमा करने के लिए समुचित रकम नहीं थी। ऐसे में सोसाइटी के एक सदस्य साथी ने 500 शेयर जमा किए और इस तरह ऋण मिल पाया। यह सहयोग की भावना हमेशा जारी रही। कुलविंदर सिंह ने कहा कि उन्हें पारदर्शिता के साथ सोसाइटी के कामकाज ने हमेशा प्रभावित किया। सेवानिवृत्त कर्मियों में प्रशांत दुर्गे, रमेश प्रसाद अहिरवार, गजेंद्र कुमार अग्रवाल, तरुण कुमार चक्रवर्ती, हरीशचंद्र गुप्ता, दिलीप कुमार कृपाल ने भी विचार रखे। सेवानिवृत्त अन्य कर्मियों में प्रदीप कुमार वर्मा, बबलू, कुशांक निखाले, संतोष कुमार वर्मा, जगन्नाथ वर्मा, भरतलाल, ललन प्रसाद, सुरेश कुमार, विष्णु प्रसाद सोनी आदि शामिल हैं।

हरेली जगार पर कृषि औजारों की पूजा, पुराने दिनों को किया याद

दुर्ग। जिला साक्षरता समिति द्वारा हरेली उत्सव में कृषि औजारों की पूजा-अर्चना की गई। पुराने दिनों को याद किया गया। आयोजकों ने बताया कि साक्षरता अभियान के तहत हरेली त्यौहार के दिन कोनारी, भरदा परियोजना में तत्कालीन अपर कलेक्टर बीएल तिवारी, एसडीएम जेसी भट्ट के नेतृत्व में उत्सव की शुरुआत हुई थी। यह कार्यक्रम इतिहास बना। आज भी जिले मे लगाए हुए लाखों पेड़ गवाह हैं, जो आज हम सबको एक नया जीवन दे रहे हैं। इस अवसर पर सभी पुराने साथियों को याद किया गया।

● कल्याण कॉलेज सेक्टर-7 में 1992-1997 तक के कला संकाय के स्टूडेंट का मिलन समारोह

तीन दशक बाद मिले कॉलेज के दोस्त, चाय-समोसे की पार्टी के बीच झूमते-गाते पुराने दिनों को याद करते बीता दिन

कल्याण कॉलेज सेक्टर-7 में वर्ष 1992-1997 तक कला संकाय में स्नातक व स्नातकोत्तर की पढ़ाई करने वाले पूर्व स्टूडेंट के संगठन कल्याण कॉलेज फ्रैंड्स ग्रुप का मिलन समारोह शिवनाथ नदी तट स्थित एक रेसार्ट में हुआ। दिन भर चले इस समारोह में सभी स्टूडेंट ने अपने कॉलेज के दिनों को याद किया। गीत-संगीत के साथ कई मनोरंजक इवेंट भी हुए। दिनेश सिंह ठाकुर, के. रुद्र मूर्ति, महेश चंद्राकर और संदेश छिब्बर ने मिलन समारोह का कुशल संयोजन किया। सुबह परिचय सत्र हुआ, जिसमें सभी ने कॉलेज के बाद से अब तक के अपने सफर का ब्यौरा मनोरंजक ढंग से दिया।मिलन समारोह को यादगार बनाने आयोजन समिति कल्याण कॉलेज के पास सेक्टर-7 मार्केट की स्टार कैंटीन से खास तौर पर चाय-समोसे मंगवाए थे।

भिलाई। कॉलेज के दिनों की फेवरेट कैंटीन के चाय-समोसे सामने देख ज्यादातर स्टूडेंट भावुक हो गए। इस दौरान गीत-संगीत की महफिल भी चलती रही। रीता वैष्णव और अजय शाह ने अपनी आवाज का जादू जगाते हुए समा बांध दिया। देखते ही देखते दूसरे साथियो में भी गाने-गुनगुनाने की होड़ लग गई। सभी ने खूब डांस मस्ती की।

कल्याण कॉलेज फ्रेंड्स ग्रुप ने आयोजन में अपने दिवंगत सहपाठियों को भी याद किया। इनमें देवाशीष दास, कांति सिंह, भावना सोलंकी, योगेश्वर पाहूजा, श्रीनिवास, चंदन सिंह चुरेंद्र, राजा दासगुप्ता और चंचल को दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। इसके साथ ही कॉलेज के दिवंगत प्राचार्य द्वय प्रो. टीएस ठाकुर, प्रो. एसएन बंछोर इतिहास विभागाध्यक्ष रहे प्रो. बीपी शर्मा और हिंदी विभागाध्यक्ष रहे डॉ. तीर्थेश्वर सिंह को भी भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। कल्याण कॉलेज फ्रेंड्स ग्रुप ने मिलन समारोह में देश के अलग-अलग हिस्से से आयोजन में पहुंचे साथियों का विशेष रूप से सम्मान किया। हाल ही में उप पुलिस अधीक्षक की पदोन्नति पाने वाले पुलिस अफसर नरेश पटेल को सम्मानित किया गया। वहीं इस आयोजन में शामिल होने खास तौर पर भिलाई पहुंचे आभा ठाकुर, कविता रॉय चौधरी, महेंद्र शर्मा और सतपाल सिंह को भी सम्मानित किया गया।

अलग-अलग शहरों से पहुंचे समारोह में शामिल होने के लिए

क्लब के कई मेंबर्स ऐसे रहे, जो अलग-अलग शहरों से केवल इस समारोह में शामिल होने के लिए पहुंची। कभी युवती रहीं छात्राएं आज दो-दो बच्चों की मां बन चुकी हैं। उन्होंने भी समय निकालकर इस एलुमनी मीट में शिरकत की। कार्यक्रम में रायपुर, बिलासपुर, नागपुर, अहमदाबाद, बिहार, रांची से लेकर अन्य राज्यों से पुराने विद्यार्थी पहुंचे। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। पुराने फिल्मों गीत भी गाए, डांस भी किया। पूरे दिन अपने पुराने दोस्तों के साथ समय बिताया। सभी ने कहा कि अब से वे साल में एक बार जरूर मिलेंगे। और इस प्रकार से एक दिन विशेष को सैलिब्रेट करेंगे।

दिवंगत प्राध्यापकों को अर्पित की श्रद्धांजलि कहा-उनके योगदान से हम यहां तक पहुंच

इस अवसर पर पूर्व छात्रों ने अपने पुराने दिवंगत प्राध्यापकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। क्लब मेंबर्स ने कहा कि उनके योगदान से ही आज वे इस स्थान पर पहुंच पाए हैं। अपने गुरुओं को वे हमेशा याद करते हैं। आयोजित कार्यक्रम में तसलीम खान, सोना बर्मन, सुनीता सिंह, झाल सिंह पटेल, धनेंद्र (गुड्डू) उपाध्याय, राकेश मौर्य, वीरेंद्र नागवंशी, अरुणांशु, संदीप सराफ, झुमा दासगुप्ता, सुनैना यादव, गीता चौधरी, कोमल वर्मा, के. रुद्र मूर्ति, फ़र्णीश शर्मा, सुशील शुक्ला, महेंद्र शर्मा, सत्येन्द्र शर्मा, युगल किशोर निर्मलकर, अजय साहू, गोपेन्द्र कोसरे, चेतन लाल साहू, धनलक्ष्मी, अशोक यादव, अरविंद अवस्थी, रूबी लाल, अलका आगरकर, अखलाक अहमद, वीरेंद्र नागवंशी, शहनाज बेगम, के. रत्नम, पुष्पा मिश्रा, मोनी माला और मुहम्मद जाकिर हुसैन सहित अन्य लोगों की भागीदारी महत्वपूर्ण रही।

बोधगया महाबोधी महाविहार मुक्त कराने निकाली महारैली, सौंपा ज्ञापन

दुर्ग। महाबोधी महाविहार मुक्ति आंदोलन पिछले करीब महीनेभर से जारी है। इसे लेकर ऑल इंडिया बुद्धिष्ट फोरम और समता सुरक्षा सेना के नेतृत्व में सदस्य के लोग धरने पर है।समस्त बौद्ध अम्बेडकरी संगठनों के सहयोग से महारैली का आयोजन किया गया। इसमें दुर्ग, भिलाई, चरोदा, कुम्हारी, रायपुर, धनोरा के लोग बड़ी संख्या में रैली में शामिल हुए। लगभग दो हजार लोगों ने सहभागिता निभाई। साक्षी बौद्ध के निर्देशन में बच्चों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से महाबोधी महाविहार का इतिहास बताकर लोगों को अपने धर्म और आ संस्कृति के प्रति जागरूक किया। अरविंद चौधरी और अनिल जोग ने कहा कि जब तक हमारी मांग पूरी नहीं होती आंदोलन जारी रहेगा। ऑल इंडिया बुद्धिष्ट फोरम

की प्रदेश अध्यक्ष सामनेरी खेमा उर्फ सविता बौद्ध ने कहा कि बोधगया के महाबोधी महाविहार में बीटीएमसी के बीटी एक्ट 1949 को निरस्त किया जाए। वैसे भी बीटी एक्ट 1949 रद्द ही है। क्योंकि यह एक्ट भारत का संविधान लागू होने के पूर्व का है, जो संविधान के आर्टिकल 13 के अनुसार ऐसे ही रद्द हो जाता है। फिर भी 75 वर्षों से यह असंवैधानिक कानून बोधगया के महाबोधी महाविहार में कायम है। यह सरासर भारतीय संविधान का उल्लंघन है। इसे लेकर दुर्ग कलेक्टर को प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, मुख्यमंत्री, बिहार के मुख्यंत्री और राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा। इस अवसर पर जारी धरने में अरविंद चौधरी, अनिल जोग, विजय बोरकर, आनंद रामटेके, सुदेश कुमार, रामाराव ढोक, अशोक मेश्राम, अल्का बौद्ध, इंदु ढोक, महेंद्र चौहान, विनोद वासनिक, अजय शेडे, महेंद्र बौद्ध आदि मौजूद थे।

मुक्तकंठ पत्रिका के नए अंक का विमोचन, काव्य गोष्ठी का भी आयोजन

भिलाई। मुक्तकंठ साहित्य समिति के तत्वावधान में पुणे महाराष्ट्र से आए जानेमाने अखिल भारतीय हास्य व्यंग्य के कवि व लाफ्टर चैम्पियन शरदेंदु शुक्ल शरद के मुख्य आतिथ्य में मुक्तकंठ साहित्य समिति द्वारा प्रकाशित मासिक साहित्यिक बुलेटिन का लोकार्पण हुआ। इस अवसर पर काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। अध्यक्षता मुक्तकंठ के अध्यक्ष गोविंद पाल ने की। कार्यक्रम में महासचिव नरेंद्र कुमार सिक्केवाल, डॉ. हिमांशु वार्ष्णेय, कवित्री नेहा वार्ष्णे, शीश लता शालू सहित अन्य मौजूद थे। छत्तीसगढ़ी भाषा में लंबी अवधि से साहित्य रचना करने वाले दुर्गा प्रसाद पारकर को सम्मानित किया गया। मुक्तकंठ के संपादक दुलाल समाद्दार एवं सह संपादक उन्नी दयालन ने पत्रिका का विमोचन किया। दुलाल समाद्दार, ब्रजेश मल्लिक, सोनिया सोनी, विशाल सोनी, नीलम जायसवाल, जावेद हसन, शमशीर सिवानी, इस्माइल आजाद, डॉ. नीलकण्ठ देवांगन, गजराज दास महंत, संतोष जाटव, शंकर भट्टाचार्य आदि मौजूद थे।

विश्व स्तरीय सम्मेलन में दिया प्रजेन्टेशन, दुनियाभर के 100 से ज्यादा वैज्ञानिक हुए शामिल

एनीमिया की जांच अब और भी आसान, दुर्ग की बेटी ने तैयार किया ऐसा डिवाइस, जिससे रक्त की एक बूंद से होगी बीमारी की पहचान

कार्नर न्यूज

भिलाई। दक्षिण एशिया में किशोरियों और महिलाओं में बढ़ती एनीमिया की गंभीर स्वास्थ्य समस्या से निपटने के लिए श्रीलंका की राजधानी कोलंबो में एक महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन हुआ। नरिशिंग साउथ एशिया रिक्यूसिंग एनीमिया इन एडोलेसेंट गर्ल्स एंड विमेन नामक इस सम्मेलन की मेजबानी सार्क सचिवालय और यूनिसेफ श्रीलंका ने की। इसमें डब्लूएचओ-सीरो, कॉर्नेल यूनिवर्सिटी और अन्य वैश्विक संस्थानों का सहयोग रहा। सम्मेलन का उद्घाटन श्रीलंका की प्रधानमंत्री डॉ. हरिनी अभरसूरिया ने किया। इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में 100 से अधिक नीति निर्माता, वैज्ञानिक और स्वास्थ्य विशेषज्ञ शामिल हुए। इस विश्व स्तरीय कार्यशाला में दुर्ग की डॉ. अंतरा गांगुली भी शामिल हुईं। उन्होंने एनीमिया पर किए गए अपने रिसर्च एनीमयाफ़ोन तकनीक का प्रदर्शन किया। इसे भारत के राष्ट्रीय महिला स्वास्थ्य कार्यक्रम में शामिल किया गया है।

विश्व में हर 4 में से एक एनीमिया की बीमारी से ग्रसित

डॉ. गांगुली ने हरिभूमि को बताया कि एनीमिया यानी शरीर में पर्याप्त स्वस्थ लाल रक्त कोशिकाओं की कमी। इसके कारण शरीर में ऑक्सीजन की आपूर्ति बाधित होती है। एक ऐसी स्थिति है जो वैश्विक रूप से हर चार में से एक व्यक्ति को प्रभावित करती है। दक्षिण एशिया में यह महिलाओं और किशोरियों के बीच एक प्रमुख सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती बनी हुई है। भारत में बड़ी संख्या में महिलाएं इससे ग्रसित हैं। कॉर्नेल यूनिवर्सिटी के जोन क्लाइन जैकब्स सेंटर फॉर प्रिंसीजन न्यूट्रीशन एंड हेल्थ के निदेशक डॉ. सौरभ मेहता ने सम्मेलन में अनुसंधान, सटीक पोषण और नवाचारों के एकीकृत दृष्टिकोण पर बल दिया। सह-निदेशक डॉ. जूलिया फिंकलस्टाइन ने एनीमिया के जैविक कारणों और पोषण से जुड़ी जटिलताओं पर एक तकनीकी सत्र का संचालन किया, जिसमें उन्होंने इस सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या की वैज्ञानिक गहराई पर प्रकाश डाला।

डिवाइस रक्त की एक बूंद से देता है सटीक जानकारी, डब्ल्यूएचओ ने दी मान्यता

डॉ. गांगुली ने बताया कि उन्होंने अपने प्रजेन्टेशन में बताया कि एनीमियाक्रोन एक अत्याधुनिक तकनीक है। यह पॉइंट ऑफ केयर डायग्नोस्टिक डिवाइस केवल एक बूंद रक्त से आयरन की कमी का त्वरित, सटीक और किफायती परीक्षण कर सकता है। यह तकनीक विशेष रूप से ग्रामीण और संसाधन वंचित क्षेत्रों में महिलाओं और किशोरियों के लिए अत्यंत उपयोगी मानी जा रही है। यह तकनीक 2024 को बिना किसी लागत के भारत सरकार की संस्था इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च को हस्तांतरित की गई। अब इसे एनीमिया मुक्त भारत अभियान में शामिल किया जा रहा है। डॉ. गांगुली ने सम्मेलन के इनोवेशन मार्केटप्लेस सत्र में एनीमियाफ़ोन तकनीक को प्रस्तुत किया। सार्क के महासचिव मोहम्मद गोलाम सरवर तथा यूनिसेफ दक्षिण एशिया के क्षेत्रीय निदेशक संजय विजेसेकरा मौजूद थे।

दुर्ग की डॉक्टर गांगुली बीआईटी से इंजीनियरिंग के बाद अमेरिका में ली शिक्षा

डॉ. गांगुली दुर्ग की रहने वाली है। उन्होंने प्रारंभिक शिक्षा डीपीएस स्कूल से ली। इसके बाद बीआईटी में इंजीनियरिंग की। बाद में उन्होंने यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सस एट डलास, अमेरिका से बायोमेडिकल इंजीनियरिंग में मास्टर्स और पीएचडी की। विज्ञान और अनुसंधान के क्षेत्र में डॉ. गांगुली का योगदान अत्यंत सराहनीय है। उनके नाम 20 से अधिक अंतरराष्ट्रीय शोध प्रकाशित हो चुके हैं।

सिटी इवेंट

हरियाली अमावस्या पर महिलाओं ने पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

दुर्ग। हरियाली अमावस्या के पावन अवसर पर महिला कांग्रेस द्वारा कांग्रेस भवन में पारंपरिक हर्षोल्लास और सांस्कृतिक रंगों के साथ हरियाली तिहार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पूर्व विधायक अरुण वोरा मुख्य रूप से शामिल हुए। उन्होंने कहा कि हरेली तिहार छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक आत्मा से जुड़ा पर्व है। यह केवल खेत-खलिहानों की पूजा नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति हमारे प्रेम, श्रद्धा और संरक्षण के संकल्प का प्रतीक है। आज जब पर्यावरण संकट गहराता जा रहा है, ऐसे लोकपर्व हमें अपनी जड़ों से जोड़ते हैं और हरियाली बचाने की प्रेरणा देते हैं। कार्यक्रम में पूर्व महापौर आरएन वर्मा, रत्ना नरमदेव, कन्या धीमर, पार्वती शिंदे, अजय मिश्रा, राजकुमार पाली, राजकुमार साहू, अल्ताफ़ अहमद, महीप सिंह भुवाल, भूमिका देशमुख, सीता टंडन सहित अन्य मौजूद थे।

- पारंपरिक त्योहारों को सहेजने लिया संकल्प

सिटी लाइव

राष्ट्रपति से सम्मानित कुसुम सिन्हा का स्टेशन में स्वागत

दुर्ग। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू के हाथों राष्ट्रपति अवार्ड से सम्मानित होने के बाद गाइड कुसुम सिन्हा दुर्ग पहुंची। उनका स्टेशन में भारत स्काउट-गाइड संघ ने स्वागत किया। इस दौरान आजीवन सदस्य संजय बोहरा, डीईसी बालक दास उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि यह शहर के लिए बड़ी उपलब्धि है। बता दें कि पूरे छत्तीसगढ़ से 3 बच्चों का गाइड़, रोवर, रेंजर का चयन हुआ। इसमें कुसुम सिन्हा शामिल हैं। वे शासकीय आदर्श कन्या स्कूल की छात्रा हैं।

धार्मिक इवेंट

शिरोमणि नामदेव महाराज का पुण्य तिथि पर भजन-कीर्तन

भिलाई। संत शिरोमणी नामदेव महाराज पुण्यतिथि पर सेक्टर 2 में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सुबह काकड़ आरती, मूर्ति पूजा, अभिषेक के बाद सुंदर फूलों से मंदिर की सजावट की गई। सुबह 10:30 बजे संत सेवा समिति हरिपाठ मंडल सेक्टर 2 ने हरिपाठ अभंग भजन कीर्तन, दही हांडी लूट, मटकी फोड़ एवं गोपालकाला का भी आयोजन किया गया। संत सेवा समिति हरिपाठ मंडल ने भजन की प्रस्तुति दी। महिलाओं ने भी भजन गाए। इस अवसर पर प्रशांत क्षीरसागर, एमके पाटिल, कैलाश धाडसे, लीलाबाई वानखेडे, संध्या ताई, उषा क्षीरसागर, मनोज ठाकरे, किशोर कनौजे सहित अन्य मौजूद थे।

सिकलिंग जांच और प्रमाण-पत्र वितरण शिविर 28 जुलाई से

दुर्ग। महावीर जैन श्वेताम्बर सेवा समिति एवं स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से सिकलिंग जांच और प्रमाण पत्र वितरण शिविर 28 से 31 जुलाई तक आयोजित है। शिविर महावीर धर्मशाला सीएमएचओ दफ्तर के पास आयोजित है। जिले के सिकलिंग मरीजों का जो नियमित रूप से हाईड्रोक्सी यूरिया की कैप्सूल खा रहे हैं। वे भी जांच के लिए पहुंच सकते हैं। शिविर में दिव्यांगता प्रमाण-पत्र बनाए जाएंगे। शिविर सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित है। तीन दिवसीय शिविर का उद्घाटन विधायक गजेन्द्र यादव करेंगे। इस अवसर पर सीएमएचओ डॉ. मनोज दानी, सीएस डॉ. आशीषन मिंज, बीजेपी अध्यक्ष सुरेन्द्र कौशिक सहित अन्य मौजूद रहेंगे। समापन समारोह 31 जुलाई को होगा, जिसमें ग्रामीण विधायक ललित चन्द्राकर, महापौर अलका बाघमार मौजूद रहेंगी।

● तालपुरी में रिमझिम फुहारों के बीच हरेली तिहार का उत्साह, पारंपरिक आयोजनों ने बांधा समां

नारियल फेंक और गेड़ी दौड़ ने गुदगुदाया, पारंपरिक पकवानों की रही धूम, महिलाओं के लिए श्रृंगार सामान की लगाई गई प्रदर्शनी

भिलाई। तालपुरी में छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक धरोहर और कृषि परंपरा से जुड़ा प्रमुख लोकपर्व हरेली तिहार रिमझिम फुहारों के बीच बड़े उत्साह से मनाया गया। कॉलोनीवासी अपने-अपने घरों में सुबह ही हरियाली का प्रतीक नीम के पत्ते लगाए हुए थे। शाम को क्लब हाउस में एस्पो प्रदर्शनी तथा परिसर में आनंदमेला आयोजित किया गया। इस मौके पर गेड़ी दौड़ तथा नारियल फेंक प्रतियोगिता हुई। पारंपरिक और उल्लास भरे माहौल में मनाए गए इस पर्व में सैकड़ों की संख्या में लोग शामिल हुए। गेड़ी को लेकर बच्चों में अच्छा खासा उत्साह देखने को मिला। बुजुर्गों और युवाओं को गेड़ी पर चढ़कर चलने के लिए मचलते हुए देखा गया। उनके लिए यह अनुभव रोमांचकारी और बिल्कुल नया था।

नारियल फेंक प्रतियोगिता में महिलाओं ने भी लिया भाग

नारियल फेंक प्रतियोगिता में महिला वर्ग में रूपाली फर्स्ट, नारायणी सेकंड और रेखा सिंह थर्ड रहीं दूसरी ओर पुरुष वर्ग में अनिल गवेल पहले स्थान पर रहे, जबकि जोगाराव तथा राकेश बोरकर दूसरे और तीसरे स्थान पर जगह बनाने में कामयाब रहे। पर्व को आयोजित कराने में धनेश्वरी शर्मा, पम्मी साहू, योगिता देवांगन तथा सुनीता चंद्राकर की सक्रिय भूमिका रही।

एस्पो प्रदर्शनी महिलाओं के लिए आकर्षण का केंद्र बनी, जरूरत के सामान एक ही जगह कराए उपलब्ध

पूर्व एल्डरमैन कीर्तिलता वर्मा तथा अधिवक्ता रेखा सिंह की अगुवाई में हरेली पर्व की शुरुआत कृषि यंत्रों एवं उपकरणों की पूजा से हुई। एस्पो प्रदर्शनी महिलाओं के लिए आकर्षण का केंद्र बनी, जिसमें नेल पॉलिश, ज्वेलरी, ऑर्गेनिक कैंडल, कान्हा की पोशाक, राखियां, नमकीन, फ्लोर-बर्तन क्लीनर, साड़ियां, सलवार सूट सहित विभिन्न प्रकार के फैशन डिजाइन वाले कपड़ों और सौंदर्य प्रसाधनों को प्रदर्शित किया गया। इस प्रदर्शनी में कॉलोनी के साथ-साथ, दुर्ग, नांदगांव, नेहरू नगर, पद्मनाभपुर तथा सूर्य विहार के स्टॉल लगे।

आनंद मेले में नजर आए स्वादिष्ट व्यंजनों के स्टॉल

आनंद मेले में स्वादिष्ट व्यंजनों के स्टॉल लगाए गए। लोगों ने पारंपरिक व्यंजन मुंगेड़ी, फरा, अइरसा तथा चौसेल का लुत्फ लिया। इसके अलावा खाने का शौक फरमाने वालों ने खास तौर पर बने पापड़, पाव भाजी, चाट, दोसा, मिर्ची भजिया, कटलेट और सांबर वड़ा का स्वाद भी लिया। इस अवसर पर गेड़ी दौड़ का रोमांचक मुकाबला देखने को मिला, जिसमें पुरुष वर्ग में अनिल गवेल प्रथम स्थान पर रहे, जबकि प्रदीप वर्मा द्वितीय और बलराम साहू तृतीय रहे। वहीं कोई प्रतिस्पर्धी न होने से बालक वर्ग में रितेश निषाद और बालिका वर्ग में गंगा साहू को विजेता घोषित किया गया।

कौशलों को निखारने की प्रेरणा दी

10वीं, 12वीं में 98 प्रतिशत से ज्यादा अंक लाने वाले स्टूडेंट्स को मिलेगी 2 लाख की छात्रवृत्ति

भिलाई। मैत्री विद्या निकेतन इंग्लिश मीडियम सीनियर सेकेंडरी स्कूल पाटन में शैक्षणिक सत्र 2025–26 के लिए छात्र परिषद के नव-निर्वाचित पदाधिकारियों का अलंकरण एवं शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। प्रबंधक एस. सजीव एवं एस साजन विशेष रूप से उपस्थित रहे। मैत्री विद्या निकेतन रिसाली की प्राचार्या डॉ. सजीता थंबी एवं उप-प्राचार्या डॉ. बीना सजीव ने विद्यालय को पर्यावरण के प्रति जागरूकता का प्रतीक बताया। मुख्य नायक के रूप में युगांक वर्मा, मुख्य नायिका के रूप में साक्षी सिन्हा, उपनायक आर्य सिन्हा एवं उपनायिका श्रेया बंजारे को चुना गया। चयनित छात्र-छात्राओं को बैज एवं सेश पहनाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में पाटन शाखा की प्राचार्या अंबली सुगधा ने भी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। एस. सजीव ने छात्रों से निष्ठा और समर्पण के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने की नसीहत दी। एस. साजन ने विद्यार्थियों को विभिन्न सह-शैक्षणिक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लेने तथा अपने कौशलों को निखारने की प्रेरणा दी। डॉ. सजीता थंबी ने अनुशासन, समय प्रबंधन एवं व्यवहारिक सोच को जीवन का हिस्सा बनाते हुए नेतृत्व करने की सीख दी। एस. सजीव ने बताया कि कक्षा 10वीं एवं 12वीं में 98% या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को 2 लाख तथा 96% या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वालों को 50,000 की छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। यह पहल विद्यार्थियों को उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए प्रेरित करेगी।

छात्र परिषद के नव-निर्वाचित पदाधिकारियों का अलंकरण एवं शपथ ग्रहण समारोह

सम्मान समारोह

लता ऋषि चंद्राकर का नाम गोल्डन बुक ऑफ रिकार्ड में दर्ज

भिलाई। लता ऋषि चन्द्राकर का नाम गोल्डन बुक ऑफ रिकार्ड में दर्ज किया गया है। वे लंबे समय से सामाजिक और सांस्कृतिक क्षेत्र में सेवारत हैं। वे उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग दुर्ग में वर्ष 2017 से 2022 तक पांच वर्षों तक सेवारत रहीं। उन्होंने अपने कार्यकाल में 4067 प्रकरणों का निराकरण किया। लोक अदालत' के माध्यम से भी अनेकों प्रकरणों में समझौता करवाया। 224 प्रकरणों की एक ही दिन में सुनवाई की। यह सम्मान गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड के रशिया प्रमुख मनीष विश्नोई के हाथों प्रदान किया गया।

लोक अदालत के माध्यम से भी अनेकों प्रकरणों में समझौता करवाया

पौधारोपण को लेकर अभियान, दुर्ग-भिलाई और ग्रामीण क्षेत्रों में जगह-जगह रोपे

कार्नर न्यूज

पर्यावरण संतुलन के लिए लगाए पौधे, सहेजने लिया संकल्प

भिलाई/दुर्ग। हरेली के दिन शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में पौधरोपण अभियान चलाया गया। इस दौरान धार्मिक, सामाजिक और राजनीतिक संगठनों के अलावा लोगों ने बढ़चढ़कर पौधे लगाए। उन्हें सहेजने का संकल्प लिया। इस अवसर पर अलग-अलग कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें पौधे लगाने की उपयोगिता के बारे में जानकारी दी गई। बताया कि वृक्ष क्यों जरूरी है। कैसे इन पौधों को वृक्ष बनने में मदद की जा सकती है। उन्हें कब तक सहेजकर रखने की जरूरत है। बताया गया कि नियमित रूप पानी डालना आवश्यक है, जरूरत पड़ने पर खाद भी देना चाहिए। ताकि पौधों को बढ़ने में सहायता मिल सके। आयोजित कार्यक्रमों में पौधे लगाने के साथ ट्री गार्ड भी लगाए गए। मुख्य रूप से नगर सैनिक कार्यालय, केंद्रीय जेल दुर्ग, नगर निगम दुर्ग, उद्यानों में पौधे रोपे गए।

मुक्तिधाम मार्ग ढौर तालाब के पास मुहिम चला रोपे पौधे

छत्तीसगढ की प्रथम त्यौहार हरेली के पावन पर्व पर अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार संगठन वाय डीसी और तर्पण मुक्तिधाम पर्यावरण सेवा संरक्षण परिषद की संयुक्त तत्वावधान में जामुल मुक्तिधाम मार्ग ढौर तालाब पार में नीम व गुलमोहर का पौधे लगाए गए। उनकी सुरक्षा हेतु मृतकों को मुक्तिधाम लाने हेतु उपयोग किए गए अर्थी के बांस का उपयोग किया गया। उनसे ट्री गार्ड तैयार किए गए। इस अवसर पर बंशी साहू, विष्णु सिन्हा, ओमप्रकाश साहू, शत्रुहन साहू, संतोष चौरसिया, नूतन वर्मा, डॉ. सुखराम साहू, धर्मेंद्र वर्मा, हेमराम साहू, कृष्णा यादव, कैलाश निर्मलकर सहित अन्य मौजूद थे।

बोरसी क्षेत्र में चला पौधरोपण अभियान पर्यावरण प्रेमी विद्या नायडू ने रोपे पौधे

बोरसी क्षेत्र में पर्यावरण प्रेमी और पूर्व प्राचार्या विद्या नायडू ने बड़ी संख्या में पौधे रोपे। उन्होंने पौधों को सुरक्षित रखने के लिए ट्री गार्ड भी लगाए। बता दें कि नायडू पिछले कई सालों से पौधे रोपते आ रही है। अब तक 10 हजार से ज्यादा पौधे वे लगा चुकी हैं। अपने घर में ही उन्होंने 500 से ज्यादा फूल और सजावटी पौधे लगा रखे हैं। हरेली का दिन विशेष होने की वजह से उन्होंने बोरसी क्षेत्र में कई जगहों पर पौधे लगाए। इस दौरान संजय नायडू, जयेश नायडू, जयप्रकाश सोनी सहित अन्य ने उनका सहयोग किया।

अहिवारा रोड नाला के पास अछोटी में सड़क किनारे रोपे गए पौधे

अछोटी के अहिवारा रोड़ में नाला के पास परिया में हरेली त्यौहार के अवसर पर सड़क के दोनों तरफ पेड़ लगाकर त्यौहार को यादगार बनाया गया। पिछले वर्षों की भांति इस वर्ष भी प्रर्यावरण संरक्षण तथा हरियाली के विस्तार के लिए प्रकृतिप्रेमी एवं उत्साही युवाओं ने पीपल और बरगद के पेड़ लगाकर उसकी सुरक्षा का संकल्प लिया। इनका लक्ष्य प्रतिवर्ष ऐसे ही जीवनदायिनी पौधों का रोपण करना है। इस बार पीपल के 11, बरगद के 7, इमली के 2 तथा महुआ का 1 पौधा कुल 21 पौधे रोपे गए। बांस की जाली और सीमेंट पोल लगाकर सुरक्षित पौधों को सुरक्षित किया गया। इस अवसर पर सरपंच अछोटी हीरालाल मारकंडेय, भुवनेश्वर साहू पूर्व सरपंच अछोटी, संजय पांडे पूर्व जनपद सदस्य, हीरालाल वर्मा, ईश्वरी पटेल, इंद्रकुमार कुर्रे, प्रहलाद वर्मा, पीलाराम वर्मा, ईश्वरी वर्मा, संतोष वर्मा, शिवकुमार वर्मा सहित अन्य मौजूद थे।

सिटी स्पोर्ट्स

टी-20 में छत्तीसगढ़ की जीत सलोनी ने लिए 2 विकेट

रायपुर। क्रिकेट एसोसिएशन पुडुच्चेरी की ओर से सीनियर वुमेंस इंटर स्टेट टी-20 अभ्यास मैच 2024-25 जारी है। जिसमें छत्तीसगढ़ सहित झारखंड, पुडुच्चेरी और हिमाचल प्रदेश आदि टीमें हिस्सा ले रहीं है। शुक्रवार को छत्तीसगढ़ का पहला मैच पुडुच्चेरी के विरुद्व पुडुच्चेरी में खेला गया। छत्तीसगढ़ ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। छत्तीसगढ़ ने पहले बल्लेबाजी करते हुये 20 ओवरों में 5 विकेट खोकर 145 रन बनाये। छत्तीसगढ़ की ओर से प्रारंभिक जोडी ने शानदार बल्लेबाजी करते हुये टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई, सृष्टि शर्मा ने 42 रन तथा एश्वर्या सिंह ने 35 रनों का योगदान दिया। उनके अतिरिक्त तरन्नुम पठान ने भी 16 रनों की उपयोगी पारी खेली। पांडेचेरी की ओर से प्रत्युषा ने 2 विकेट प्राप्त किये। 146 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पुडुच्चेरी 20 ओवरों में 5 विकेट खोकर 139 रन ही बना सकी। पुडुच्चेरी की ओर से युवाश्री ने 64 रन तथा सयाली ने 31 रनों का योगदान दिया। छत्तीसगढ़ की ओर सलोनी डंगोरे ने 2 विकेट प्राप्त किए, प्रीति यादव तथा प्रतिज्ञा सिंह ने 1-1 विकेट लिया। छत्तीसगढ़ ने मैच 6 रनों से यह मैच जीत लिया।

छत्तीसगढ़ पावर लिफ्टिंग चैंपियनशिप कल रायपुर में

रायपुर। पावर लिफ्टिंग एसोसिएशनएवं टी गोल्ड जिम अश्वनी नगर के तत्वाधान में 5 वीं छत्तीसगढ़ पावर लिफ्टिंग चैंपियनशिप का आयोजन 27 जुलाई को सिंधी धर्मशाला लाखेनगर चौक रायपुर में किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ पावर लिफ्टिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष मानिक ताम्रकार और महासचिव प्रदीप क्षत्रिय ने बताया कि प्रतियोगिता का उदघाटन मुख्य अतिथि महापौर मीनल चौबे करेंगी। विशेष अतिथि पार्षद सरिता दुबे, सुमन पांडेय पार्षद नगर निगम रूपेश रहांगडाले, नेता विश्व हिंदू परिषद समाज सेवी सतबीर सिंह जुनेजा, डा मूलचंद पृथ्वानी अध्यक्ष सिंधी धर्मशाला और श्रवण ठाकुर सरपंच जामगाव करेंगे। पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि सुनील सोनी रायपुर दक्षिण विधायक, विशेष अतिथि जोन 5 अध्यक्ष अम्बर अग्रवाल, पार्षद दीपक जायसवाल, पार्षद मनोज वर्मा, नगर निगम रायपुर बॉडी बिल्डिंग संघ के अध्यक्ष हरिवल्लभ अग्रवाल और जैतू साव मठ व्यायाम शाला के अध्यक्ष रेवाराम यदु होंगे।

राज्य स्तरीय ग्रेपलिंग-कुश्ती में रायपुर विजेता और पेंड्रा उपविजेता

रायपुर। छत्तीसगढ़ ग्रेपलिंग-कुश्ती संस्था व दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल के संयुक्त तत्वाधन में 5वीं राज्य स्तरीय ग्रेपलिंग-कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन विद्यालय परिसर में किया गया। जिसमें राज्य भर के कई जिलों से आए 175 से भी अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में गी-इवैंट -11 वर्ष-बालिका वर्ग मेंः -22 किलो में दीनिका दीक्षित-स्वर्ण (रायपुर), -27 किलो में आराध्या मुदलियार-स्वर्ण (रायपुर), -30 किलो में वेदिका सैनी-स्वर्ण (रायपुर), गज़ल साहू-रजत (बिलासपुर), रिद्धी यादव-कांस्य (दुर्ग), -34 किलो में भूमिका यादव-स्वर्ण (दुर्ग), चंचल शर्मा (रायपुर), आयुषी चहर (रायपुर), -42 किलो में श्रीनिका दीक्षित व -46 किलो में श्रीजल कुरमावर (रायपुर) ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया। नोगी-इवैंट -11 वर्ष-बालिका वर्ग मेंः -38 किलो में पूर्वी चौरे-स्वर्ण (गरियाबंद) व -42 किलो में ईशिका टंडन (गरियाबंद) ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया। गी- इवेंट -11 वर्ष-बालक वर्ग मेंः -22 किलो में दीवान शर्मा-स्वर्ण (रायपुर), रुद्र-रजत (रायपुर), देवेश जंघेल (दुर्ग), -27 किलो में संकल्प निषाद-स्वर्ण (रायपुर), आदर्श-रजत (बिलासपुर), कविश कुमार व अनुराज सिंह (रायपुर)- कांस्य पदक, -30 किलो में मानित अग्रवाल-स्वर्ण (रायपुर), अर्शदीप सिंह-रजत (रायपुर), -34 किलो में भव्य शर्मा-स्वर्ण (रायपुर), संजू सिहाग-रजत (रायपुर), -46 किलो में आयुष यादव, -50 किलो में राघव शर्मा, व जशवीर सिंह (रायपुर) ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया। नोगी-इवैंट -11 वर्ष-बालक वर्ग मेंः -22 किलो में सतेन्द्र श्याम-स्वर्ण (पेंड्रा), शिवान सिंह ठाकुर-रजत (पेंड्रा), -27 किलो में राज कुमार-स्वर्ण (गरियाबंद), आदर्श गुप्ता-रजत (पेंड्रा), -34 किलो में कॉमन बंजारे (गरियाबंद), -42 किलो में हर्ष कुमार साहू (गरियाबंद), व -70 किलो में अभिनव सिंह ठाकुर (गरियाबंद) ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया। गी- इवेंट -13 वर्ष-बालिका वर्ग मेंः -27 किलो में सानवी भोतमांगे-स्वर्ण (रायपुर)शामिल है।

बदलती जीवनशैली ने बच्चों को भी अपनी चपेट में ले लिया, सावधानी जरूरी

बच्चों का बढ़ता वजन दे रहा गंभीर बीमारियों को न्यौता, जानिए मोटापे की वजह और बचाव के तरीके

बचपन में मोटापा बढ़ने के लिए कई कारण जिम्मेदार हो सकते हैं। बच्चों में शारीरिक गतिविधि की कमी जैसे बाहर कम खेलना, दौड़-भाग में कमी, आउटडोर गेम्स में न हिस्सा लेना इसका प्रमुख कारण है। मोटापा वैश्विक स्तर पर बढ़ती एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या है, सभी उम्र के लोगों में इसका खतरा देखा जा रहा है। मोटापा के कारण टाइप-2 डायबिटीज से लेकर हाई ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल से लेकर कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा हो सकता है। यही कारण है कि स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को अपने वजन को कंट्रोल में रखने के लिए निरंतर प्रयास करते रहने की सलाह देते हैं। बच्चों में बढ़ते मोटापा की समस्या को सेहत के नजरिए से काफी गंभीर माना जाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी माता-पिता को सलाह देते हैं कि वह सुनिश्चित करें कि बच्चे का वजन बढ़ने न पाए। कम उम्र में मोटापा सिर्फ शारीरिक नहीं, मानसिक और सामाजिक समस्याएं भी पैदा कर सकता है। अगर इसे समय रहते रोक लिया जाए तो भविष्य की कई बीमारियों से बचा जा सकता है। इसके लिए जरूरी है जागरूकता, सही लाइफस्टाइल और दिनचर्या में छोटे-छोटे बदलाव। आइए इस बारे में आगे विस्तार से समझते हैं।

कम उम्र में वजन बढ़ने का कारण

बचपन में मोटापा बढ़ने के लिए कई कारण जिम्मेदार हो सकते हैं। बच्चों में शारीरिक गतिविधि की कमी जैसे बाहर कम खेलना, दौड़-भाग में कमी इसका प्रमुख कारण है। ज्यादा बैठे रहने की आदत जैसे ऑनलाइन क्लास, फास्ट फूड और प्रोसेस्ड चीजों के अधिक सेवन की आदत को स्वास्थ्य विशेषज्ञ मोटापे का प्रमुख कारण मानते हैं।

मानसिक रोगों का भी बढ़ जाता है खतरा?

कम उम्र में वजन बढ़ने की स्थिति भविष्य में अवसाद, चिंता और तनाव जैसी मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं को भी बढ़ाने वाली हो सकती है। बच्चों के समग्र स्वास्थ्य को ठीक रखने और इस प्रकार की जटिलताओं के जोखिम को कम करने के लिए शारीरिक की वजन कंट्रोल में रखने के लिए प्रयास बहुत आवश्यक हैं। कम उम्र से ही कुछ उपाय करके बच्चे के वजन को कंट्रोल रखा जा सकता है।

वजन बढ़ने से कैसे रोका जाए?

कुछ बातों का ध्यान रखकर न सिर्फ वजन को कंट्रोल रखा जा सकता है साथ ही उन्हें भविष्य में गंभीर बीमारियों से बचाए रखने में भी मदद मिल सकती है। स्वस्थ भोजन और नियमित शारीरिक गतिविधि सबसे आवश्यक है। सुबह का नाश्ता दैनिक आहार का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसमें मौसमी फल-जूस, दूध और डेयरी उत्पादों को शामिल करें। सुनिश्चित करें कि आप पर्याप्त नींद ले रहे हैं। जिन लोगों की नींद पूरी नहीं होती है उनमें मोटापे का जोखिम अधिक होता है। इसके साथ अपना स्क्रीन टाइम भी कम कर लें।

इन बातों पर भी दें ध्यान

वजन को कंट्रोल रखने के लिए कम उम्र से ही कुछ आदतों को दिनचर्या में जरूर शामिल करें। हर दिन कम से कम 30–45 मिनट तेज चलना, दौड़ना, योग या डांस जैसी गतिविधि जरूर करें। घर का बना, कम तेल वाला और संतुलित भोजन करें। फलों, सब्जियों, दालों की मात्रा बढ़ाएं। कोल्ड ड्रिंक, केक, बिस्किट और पैकेज्ड स्नैक्स का सेवन कम से कम करें। मोबाइल या लैपटॉप पर समय सीमित करें। 7–8 घंटे की नींद शरीर को रिलैक्स करती है और वजन कंट्रोल रखने में भी सहायक है।

कुकिंग स्टाइल पर ध्यान दें, अपनाएं सही तरीका

अगर सब्जियों को ओवरकुक कर लिया जाए, तो इससे डिश का रंग, स्वाद और पौष्टिकता तीनों खराब हो जाते हैं। इसलिए समय आ गया है कि हम अपनी कुकिंग स्टाइल पर ध्यान दिया जाए।

कम तेल का इस्तेमाल करें

खाना पकाते समय ज्यादा तेल का इस्तेमाल न सिर्फ खाने को भारी बना देता है, बल्कि इससे पोषक तत्व भी नष्ट हो सकते हैं। तेल में ज्यादा देर तक तलने या फ्राई करने से उसमें मौजूद अच्छे तत्व पूरी तरह से नष्ट हो जाते हैं। इसलिए आप कम मात्रा में सरसों का तेल का इस्तेमाल करें।

दाल को कुकर में ज्यादा न पकाएं

दालों को प्रेशर कुकर में पकाना तेज और आसान तरीका है, लेकिन अगर आप ज्यादा सीटी लगाते हैं, तो इससे दाल में मौजूद विटामिन B और प्रोटीन टूटने लगते हैं। इसलिए जरूरत से ज्यादा दाल पकाना ठीक नहीं है।

सब्जियों को पहले धोएं, फिर काटें

कई लोग आदतवश सब्जियों को काटने के बाद धोते हैं, लेकिन यह तरीका गलत है। इसलिए हमेशा सब्जियों को बहते पानी में अच्छी तरह धोकर ही काटें। वहीं, हरी पत्तेदार सब्जियों को 10-15 मिनट नमक वाले पानी में भिगोकर फिर धोएं।

कुकिंग में ढक्कन का इस्तेमाल करें

जब हम बिना ढक्कन के सब्जियां पकाते हैं, तो गर्मी और भाप के साथ-साथ कई जरूरी विटामिन और मिनरल्स उड़ जाते हैं। वहीं, ढक्कन लगाने से खाना जल्दी पकता है और स्वाद भी बेहतर बनता है। इसलिए बेहतर होगा कि आप

कुकिंग करते वक्त ढक्कन का इस्तेमाल करें।

सही कुकिंग करने के हैक्स

सब्जियों को काटने से पहले अच्छी तरह से धोएं। फिर काटने के बाद मौजूद विटामिन और मिनरल्स कम हो जाते हैं। सब्जी बनाते वक्त कम पानी का इस्तेमाल करें, क्योंकि ज्यादातर सब्जियां जरूरत से ज्यादा पक जाती हैं और भाप बनकर निकल जाती है। सब्जियों को ज्यादा देर तक पकाने से उनका रंग, स्वाद और पोषण तीनों खराब हो जाते हैं। बस उतना पकाएं कि वे हल्की नरम या कुरकुरी रहें। कई सब्जियों और फलों के छिलकों में पोषण भरपूर होता है। जैसे गाजर, खीरा और आलू का छिलका भी फाइबर और विटामिन से भरपूर होता है। पकाते समय बर्तन को ढकने से न सिर्फ खाना जल्दी पकता है, बल्कि पोषक तत्व भी बचे रहते हैं। साथ ही, सब्जियों को बहुत छोटे टुकड़ों में काटने से पोषक तत्व जल्दी नष्ट हो जाते हैं। ज्यादा समय तक फ्रिज में रखी सब्जियों और दालों की पौष्टिकता कम हो सकती है। कोशिश करें कि फ्रेश सामग्री का इस्तेमाल करें। इसके अलावा, खाना बनाते समय नॉन-स्टिक पैन या कास्ट आयरन तवा का इस्तेमाल करें।

हरियाली तीज पर जलाएं दीया दूर होगा पति का हर संकट

हरियाली तीज के दिन अगर पूर्ण श्रद्धा से भगवान शिव और माता पार्वती के आगे दीपक जलाया जाए तो इससे पति पर आया हर संकट दूर हो जाता है। तो चलिए जानते हैं कि हरियाली तीज पर कौन सा दीया जलाना चाहिए। हरियाली तीज का व्रत जो भी सुहागिन महिला रखती है उसका वैवाहिक जीवन सुख-सौभाग्य से भर जाता है। इस साल हरियाली तीज 27 जुलाई को पड़ रही है। ज्योतिषाचार्य राधाकांत वत्स ने बताया कि हरियाली तीज के दिन अगर पूर्ण श्रद्धा से भगवान शिव और माता पार्वती के आगे दीपक जलाया जाए तो इससे पति पर आया हर संकट दूर हो जाता है। तो चलिए जानते हैं कि हरियाली तीज पर कौन सा दीया जलाना चाहिए।

हरियाली तीज के दिन आटे का दीपक जलाने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। साथ ही, घर में सुख-शांति स्थापित होती है। वैवाहिक जीवन की नकारात्मकता दूर होने लगती है। अगर किसी सुहागिन महिला के दांपत्य जीवन में बहुत क्लेश रहता है या फिर जीवनसाथी से अनबन होती रहती है तो ऐसे में हरियाली तीज के दिन शिवलिंग के समक्ष आते का दीया अवश्य जलाएं। आपको लाभ होगा।

आटे का दीपक किसी विशेष मनोकामना की पूर्ति के लिए जलाया जाता है। यह दीपक जलाने से भगवान शिव और माता पार्वती शीघ्र प्रसन्न होते हैं और भक्तों की इच्छाएं पूरी करते हैं। ऐसे में हरियाली तीज के दिन आटे का दीपक जलाते हुए अगर किसी मनोकामना हेतु संकल्प लिया जाए तो वह इच्छा शिव-शक्ति जरूर पूरी करते हैं। विशेष रूप से अगर पति के स्वास्थय के लिए ऐसा किया जाए तो फायदा होता है।हरियाली तीज के दिन आटे का दीपक शिवलिंग के समक्ष जलाने से पितरों का क्रोध शांत होता है। पितृ दोष के कारण अगर वैवाहिक जीवन में तनाव है तो वह भी नष्ट हो जाता है। दांपत्य रिश्ते में मिठास घुलने लगती है। पति-पत्नी का संबंध मधुर और मजबूत होता है।

हाई प्रोटीन डाइट से हो सकते हैं गंभीर नुकसान, संतुलन जरूरी

प्रोटीन, मांसपेशियों के निर्माण से लेकर हड्डियों और दांतों को मजबूत करने के लिए जरूरी है, लेकिन कुछ बीमारियों में अधिक प्रोटीन वाले आहार का सेवन नहीं करना चाहिए। जब भी बात शरीर के लिए जरूरी पोषक तत्वों की आती है तो प्रोटीन की सबसे ज्यादा चर्चा होती है। बॉडी बिल्डिंग हो या वजन घटाना, हर कोई हाई प्रोटीन डाइट की तरफ तेजी से आकर्षित हो रहा है। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि ज्यादा प्रोटीन हर किसी के लिए फायदेमंद नहीं हो सकता?

दरअसल, हाई प्रोटीन डाइट का चलन जितना बढ़ा है, उससे जुड़े साइड इफेक्ट्स और रिस्क पर उतनी चर्चा नहीं होती। कई शोध बताते हैं कि ज्यादा प्रोटीन का सेवन कुछ लोगों के लिए फायदे की जगह नुकसानदायक हो सकता है।

हाई प्रोटीन डाइट का मतलब है कि आप दिन भर में जितनी कैलोरी का सेवन करते हैं उसका 25% से 35% हिस्सा प्रोटीन से आता है। इसमें अंडे, चिकन, मछली, पनीर, दालें, प्रोटीन पाउडर जैसी चीजों का सेवन अधिक और कार्ब्स की मात्रा कम कर दी जाती है। पर ये सभी के लिए फायदेमंद हो ऐसा जरूरी नहीं है।

प्रोटीन का अधिक सेवन हो सकता है नुकसानदायक

आहार विशेषज्ञ कहते हैं, प्रोटीन शरीर के लिए जरूरी है, लेकिन कई स्वास्थ्य समस्याओं में अधिक प्रोटीन का सेवन नुकसान पहुंचा सकता है। प्रोटीन मांसपेशियां बनाने से लेकर हड्डियों और दांतों को मजबूत करने के लिए जरूरी है, लेकिन कुछ बीमारियों में अधिक प्रोटीन वाले आहार का सेवन नहीं करना चाहिए। यूरिक एसिड की समस्या से पीड़ित लोगों के लिए उच्च प्रोटीन आहार यूरिक एसिड के स्तर को और बढ़ा सकता है, जिससे समस्या बढ़ सकती है। इसलिए आप चोकर युक्त आटा, भुट्टा, बेकरी के खाद्य पदार्थ के सेवन से बचें। इसके अलावा उड़द, मांस, मछली, सेम, सहजन, पालक, मटर, मशरूम चुकंदर, कद्दू के बीज का सेवन न करें। आप चिकित्सक की सलाह के अनुसार कम प्रोटीन वाले आहार को अपना सकते हैं।

किडनी की बढ़ सकती है दिक्कत

हाई प्रोटीन डाइट से किडनी को ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। इससे किडनी संबंधी समस्याएं हो सकती हैं, खासकर उन लोगों में, जिन्हें पहले से किडनी की समस्याएं हैं। जिन लोगों को क्रॉनिक किडनी डिजीज की समस्या हो उन्हें आहार में कोई भी बदलाव डॉक्टर के सलाह पर ही करना चाहिए। आप चिकित्सक से पूछकर पौधे आधारित प्रोटीन, जैसे- फलियां, मेवे और बीज, साबुत अनाज तथा सोया का सेवन कर सकते हैं।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. पी. बी. मिश्रा कहते हैं, अधिक प्रोटीन खाने से वजन बढ़ता है, साथ ही पाचन संबंधी समस्याएं गुर्दे पर दबाव और निर्जलीकरण भी हो सकता है। इसलिए अपना आहार परिवर्तन करने से पहले चिकित्सक से सलाह जरूर लें। हाई प्रोटीन डाइट चमत्कारी लग सकती है, लेकिन यह हर शरीर और हर स्थिति के लिए सही नहीं होती। अगर आप वजन घटाने या मसल्स बनाने के लिए हाई प्रोटीन डाइट लेना चाहते हैं, तो किसी डाइटीशियन या डॉक्टर से सलाह जरूर लें।

कार्नर न्यूज

मौजूदा दौर में डिजिटल व्यस्तता से उपज रही कई समस्याएं

बच्चों के सामने क्या आप भी हर वक्त कॉल या मैसेज में रहती हैं व्यस्त तो नुकसान पहुंचा रही आपकी यह आदत

बच्चों के सामने आपकी लगातार फोन में व्यस्तता उन्हें भावनात्मक रूप से अलग-थलग कर सकती है, उनमें चिड़चिड़ापन बढ़ा सकती है, सामाजिक कौशल में कमी ला सकती है और वे भी ज्यादा स्क्रीन टाइम की ओर आकर्षित हो सकते हैं। ऐसे में, पैरेंट-चाइल्ड के बीच का बॉन्ड कमजोर हो सकता है। अपनी आदत पर ध्यान देना बच्चों के स्वस्थ विकास के लिए बेहद जरूरी है। स्मार्टफोन हमारी जिंदगी का एक अभिन्न हिस्सा बन गया है। हम लगातार कॉल पर बात करते हैं, मैसेज भेजते हैं, सोशल मीडिया स्क्रॉल करते हैं या ईमेल चेक करते हैं। यह डिजिटल जुड़ाव कई मायनों में सुविधाजनक है, लेकिन जब बात बच्चों की आती है, तो हमारी यह आदत उन्हें अनजाने में बड़ा नुकसान पहुंचा सकती है। माता-पिता जब अपने बच्चों के सामने हर वक्त अपने फोन में व्यस्त रहते हैं, तो इसका असर उनके भावनात्मक, सामाजिक और विकासात्मक पहलुओं पर पड़ सकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि बच्चे अपने आस-पास के माहौल से सीखते हैं और जब वे देखते हैं कि उनके माता-पिता का ध्यान लगातार स्क्रीन पर है, तो यह उनके लिए कई नकारात्मक संदेश देता है।

बच्चों के सामने फोन इस्तेमाल करने से क्या होता है?

जब माता-पिता या देखभाल करने वाले बच्चे के सामने लगातार फोन में व्यस्त रहते हैं, तो इसे फोब्बिंग कहते हैं। यह आदत बच्चों के विकास और उनके साथ आपके रिश्ते पर कई नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है, जिसके बारे में आगे बताया गया है।

बच्चे पर पड़ता है दुष्प्रभाव

स्मार्टफोन लोगों की जरूरत बन गए हैं। ऐसा लगता है कि अगर स्मार्टफोन न हो, तो पूरा जीवन ही थम जाएगा। हालत ऐसी हो गई है कि घर में भी हर वक्त कॉल, मैसेज या सोशल मीडिया के चक्कर में मोबाइल हाथ में ही रहता है। आपकी आंखों और सेहत को तो इससे नुकसान हो ही रहा है, साथ ही इससे घर में आपके बच्चे भी प्रभावित हो रहे हैं। अगर माता-पिता लगातार स्मार्टफोन में बिजी रहें, तो बच्चे के व्यवहार और विकास पर कई तरह से दुष्प्रभाव पड़ता है।

बच्चों में आती है नकारात्मकता

विज्ञान पत्रिका डेवलपमेंटल साइंस में प्रकाशित एक अध्ययन के मुताबिक, मां अगर स्मार्टफोन पर लगी रहती है, तो बहुत कम उम्र से ही बच्चों के व्यवहार पर नकारात्मक असर पड़ने लगता है। अध्ययन के दौरान सात महीने से दो साल तक के ऐसे बच्चों में ज्यादा चिड़चिड़ापन देखा गया। ऐसे बच्चे लोगों से जल्दी घुलते-मिलते भी नहीं। जैसे-जैसे बच्चे बढ़ते हैं, उनमें नकारात्मकता बढ़ती जाती है। सामाजिक रूप से भी ऐसे बच्चे कम मिलनसार और कम संवेदनशील होते हैं।

स्वयं को महत्वहीन समझने लगते हैं बच्चे

आठ से 13 साल तक के छह हजार बच्चों पर किए गए एक अंततराष्ट्रीय अध्ययन में पाया गया कि अगर माता-पिता घर में ज्यादा समय स्मार्टफोन पर बिताएं, तो बच्चे खुद को महत्वहीन समझने लगते हैं। बच्चों को लगता है कि कोई मैसेज या नोटिफिकेशन उनसे ज्यादा महत्वपूर्ण है, जो माता-पिता से मिलने वाला उनके हिस्से का समय छीन लेता है। खाने-पीने और आपसी बातचीत के दौरान माता-पिता द्वारा स्मार्टफोन देखते रहने से बच्चों को लगता है कि माता-पिता का ध्यान आकर्षित करने के लिए उन्हें स्मार्टफोन से प्रतिस्पर्धा करनी पड़ेगी।

बढ़ जाता है बच्चों का दुख और गुस्सा

घर में अगर बच्चों की अनदेखी करके माता-पिता ज्यादा समय स्मार्टफोन पर बिताते हैं तो बच्चों में दुख, गुस्से और अकेलेपन की भावना पनपने लगती है। ध्यान आकर्षित करने के लिए बच्चे ज्यादा शरारत करते हैं। गुस्से में चीजें तोड़ना या खराब करना भी उनकी आदत में शामिल होने लगता है। ऐसे में बच्चों में अकेलेपन की भावना आने का खतरा भी रहता है।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

हार्वे वाइंस्टीन की भाई बॉब के खिलाफ कानूनी लड़ाई खत्म, प्रोड्यूसर ने वापस ले लिया केस

जाने-माने प्रोड्यूसर रहे हार्वे वाइंस्टीन पर साल 2017 में यौन उत्पीड़न के कई गंभीर आरोप लगे थे। एक के बाद एक दर्जनों महिलाओं के आरोपों ने निर्माता की छवि को पूरी तरह से खराब कर दिया था। उन्हें कभी ऑस्कर जीतने वाली फिल्मों के पीछे की बड़ी ताकत माना जाता था। लेकिन उन पर कई गंभीर आरोपों के साथ ही एक पारिवारिक लड़ाई भी शुरू हो गई थी, जो अब कानूनी मोड़ पर खत्म होते हुए नजर आ रही है। हाल ही में हार्वे वाइंस्टीन ने अपने सगे भाई बॉब वाइंस्टीन के खिलाफ दायर किया गया मुकदमा अचानक वापस ले लिया। इस मुकदमे में हार्वे ने अपने भाई पर 'वित्तीय धोखाधड़ी'और 'धोखे से कंपनी को डुबोने'जैसे गंभीर आरोप लगाए थे। उनका दावा था कि बॉब और कुछ दूसरे कर्मचारियों ने कंपनी की डूबती नाव से खुद को बचाने के लिए लाखों डॉलर की रकम निकाल ली।

फरवरी में उन्होंने बॉब, डेविड ग्लासर और अकाउंटेंट रीटर के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की थी, लेकिन अब भाई के खिलाफ चल रहे केस को उन्होंने वापस ले लिया। बता दें हार्वे खुद अभी यौन उत्पीड़न के कई मामलों में दोषी करार दिए जा चुके हैं और फिलहाल जेल में सजा मिलने का इंतजार कर रहे हैं। इस मामले पर बॉब वाइंस्टीन के वकील का कहना है कि उन्होंने कोई समझौता नहीं किया और ना ही हार्वे को कोई मुआवजा दिया। बॉब ने तो उल्टा कंपनी को दिवालिया होने से पहले बचाने के लिए 11.1 मिलियन अमेरिकी डॉलर यानी लगभग 92.28 करोड़ रुपये का ऋण भी दिया था, जो अब तक उन्हें वापस नहीं मिला है।

टॉलीवुड

'वॉर 2' का ट्रेलर रिलीज होने से पहले दीवाने हो गए फैंस, आसमान में लिख दिया नाम

'वॉर 2' का अभी ट्रेलर लॉन्च भी नहीं हुआ है, लेकिन जूनियर एनटीआर के फैंस काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं। अपने इस उत्साह में वो फिल्म के लीड एक्टर ऋतिक रोशन तक को भूल गए हैं। बॉलीवुड स्टार ऋतिक रोशन और साउथ स्टार जूनियर एनटीआर की फिल्म 'वॉर 2' को लेकर लोगों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। फैंस फिल्म का बड़ी ही बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अब फिल्म के ट्रेलर रिलीज की भी तारीख सामने आ गई है। मेकर्स ने कल यानी 25 जुलाई को 'वॉर 2' का ट्रेलर रिलीज करने जा रहे हैं। ऐसे में ट्रेलर को लेकर लोगों में जबरदस्त क्रेज बना हुआ है। फिल्म के ट्रेलर से पहले अब जूनियर एनटीआर के फैंस काफी एक्साइटेड हैं और उन्होंने एनटीआर के बॉलीवुड में डेब्यू को लेकर सेलिब्रेशन भी शुरू कर दिया है। जूनियर एनटीआर को लेकर फैंस की दीवानगी अक्सर ही चर्चा का विषय बनती है।

अब 'वॉर 2' के ट्रेलर रिलीज से पहले एनटीआर के फैंस एक बार फिर उत्साहित हैं। एनटीआर के फैंस सोशल मीडिया पर अपनी खुशी जाहिर कर रहे हैं और अभिनेता के लिए पोस्ट कर रहे हैं। एक्स पर जूनियर एनटीआर के 'वॉर 2' में होने को लेकर फैंस लगातार पोस्ट कर रहे हैं और अपना उत्साह जाहिर कर रहे हैं। एक यूजर ने जूनियर एनटीआर की किसी दूसरी फिल्म की एक तस्वीर शेयर की है, जिसमें वो काफी गुस्से में नजर आ रहे हैं। इसके साथ ही प्रशंसक ने बजरंगबली की भी एक तस्वीर शेयर की है। दोनों तस्वीरों में पोज एक जैसा ही लग रहा है। इसके अलावा सोशल मीडिया पर एक वीडियो और तस्वीर काफी वायरल हो रही है, जिसे एनटीआर के फैंस काफी शेयर कर रहे हैं। इसमें जूनियर एनटीआर का नाम आसमान में लिखा हुआ है। एक वीडियो सामने आया है जिसमें देखा जा सकता है आसमान में 'एनटीआर वॉर 2' लिखा हुआ है। ये वीडियो ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न का बताया जा रहा है।

भोजपुरी

संभावना सेठ ने फोटो शेयर कर कहा- फिर मत बोलना कि मैंने चांस नहीं दिया

भोजपुरी एक्ट्रेस संभावना सेठ ने उन्होंने अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर कीं। संभावना ने काफी कॉन्फिडेंस के साथ अपनी 17 तस्वीरें शेयर की हैं। उन्होंने लिखा है- जो लोग दूसरों को उनकी उम्र, बॉडी की चर्बी, बदसूरत, बूढ़ी औरत, बॉडी शेम के लिए ट्रोल करना पसंद करते हैं, ये आपके लिए मौका है। ये मौका है। फिर मत बोलना मैंने मौका नहीं दिया। भोजपुरी इंडस्ट्री में संभावना सेठ एक पॉप्युलर चेहरा रही हैं। पेशे से एक्टर, मॉडल रहीं संभावना आज एक व्लॉगर भी हैं। अक्सर अपनी जिंदगी के पन्नों को अपने व्लॉग में खोल दिया करती हैं संभावना। भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री में अपने डांस और आइटम नंबर के लिए उन्हें भोजपुरी फिल्म अवॉर्ड भी मिले हैं। इस वक्त संभावना अपनी उन तस्वीरों को लेकर चर्चा में हैं जो उन्होंने इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। संभावना सेठ ने अपने करियर की शुरुआत आइटम गानों में एक डांसर के तौर पर की थी। वो भोजपुरी फिल्मों में 'रूप रंग की नगरी', 'लेंगा में वायरस' 'नशे नशे उठाता' , 'कमर जब लचकेला' जैसी कई आइटम गानों में नजर आ चुकी हैं। संभावना ने लिखा है, 'जो लोग दूसरों को उनकी उम्र, बॉडी की चर्बी, बदसूरत, बूढ़ी औरत, बॉडी शेम के लिए ट्रोल करना पसंद करते हैं, ये आपके लिए मौका है। ये मौका है। फिर मत बोलना मैंने मौका नहीं दिया।

न्यूयॉर्क फ़ैशन वीक में केट स्पेड का आयोजन फूलों की महक से सराबोर रहा। इस सेट के लिए 30,000 फूल लाए थे। मॉडल ने यहां एक से बढ़ कर एक कलेक्शन पेश किए। फ़ैशन डिज़ाइनर यूजीन गोलोगुर्स्की के कुछ कलेक्शन को बेहद पसंद किया गया। रंग-बिरंगे फूलों ने पूरे शो को बेहद जीवंत बना दिया।

बालों की हर परेशानी होगी खत्म, इन दो मास्क से

लगातार बढ़ते प्रदूषण और खराब खान-पान का सीधा असर लोगों के बालों पर दिखने लगा है। इनकी वजह से हर दूसरा व्यक्ति बालों के रूखेपन, तेज हेयर फॉल, डैंड्रफ और दोमुंहे बालों से परेशान रहने लगा है। आज के समय में तो ये सब आजकल आम समस्याएं बन चुकी हैं।

बहुत से लोगों को लगता है कि महंगे हेयर केयर प्रोडक्ट आपको फायदा पहुंचाएंगे, लेकिन केमिकल से भरपूर प्रोडक्ट्स से ज़्यादा असर नहीं होता, उल्टा नुकसान हो सकता है। ऐसे में अगर आप घरेलू प्राकृतिक हेयर पैक ट्राई करना चाहते हैं तो ये लेख आपके लिए सबसे सही है। दरअसल, इन दो हेयर मास्क से बालों की कई दिक्कतें चुटकियों में दूर हो सकती हैं।

पहला हेयर मास्क

पहले हेयर मास्क को बनाने के लिए आपको 2 चम्मच दही, 1 चम्मच मेथी पाउडर या रातभर भीगी हुई मेथी और 1 चम्मच नींबू का रस चाहिए होगा।

हेयर मास्क बनाने का तरीका

अब अगर ये तैयार करना चाहते हैं तो सबसे पहले तो सभी सामग्री को मिलाकर पेस्ट बना लें। इसके बाद इस पेस्ट को अपने बालों के सिरों से लेकर स्कैल्प पर अप्लाई करें। अब इसे कम से कम एक घंटे तक लगा रहने दें। 30–40 मिनट बाद माइल्ड शैंपू से धो लें। इससे आपके बालों को अवश्य ही फायदा होगा। डैंड्रफ कम करता है बालों का झड़ना रोकता है स्कैल्प को ठंडक मिलती है

दूसरा हेयर मास्क

इस हेयर मास्क को बनाने के लिए आपको 2 चम्मच एलोवेरा जेल, 1 चम्मच आंवला पाउडर और 1 चम्मच नारियल तेल की जरूरत पड़ेगी। इसे बनाने के लिए सबसे पहले तो सभी सामग्री मिलाकर गाढ़ा पेस्ट बनाएं। इब इस पेस्ट को अपने बालों की जड़ों में अच्छी तरह लगाएं और हल्के हाथों से मालिश करें। इसे आप कम से कम एक घंटे तक ऐसे ही रख सकते हैं। एक घंटे के बाद जब आप अपने बालों को धोएंगे तो इसका असर देखने को मिलेगा। मिलेंगे ये फायदे बालों की ग्रोथ तेज होती है बालों में नैचुरल चमक आती है झड़ने से रोकता है और मोटा बनाता है।

कॉस्मेटिक की दुनिया में धमाल मचा रहा ब्लू स्किन केयर का नया ट्रेंड

समय के साथ-साथ स्किन केयर के नये-नये ट्रेंड बाजार में आते रहते हैं। आज-कल ब्लू स्किन केयर ट्रेंड में है, जिसके बारे में हम आपको बताने जा रहे हैं। आजकल ब्यूटी और स्किन केयर इंडस्ट्री में एक नया और तेजी से पॉपुलर हो रहा ट्रेंड है, जिसका नाम है ब्लू स्किन केयर। सोशल मीडिया पर इससे जुड़े हैशटैग्स ट्रेंड कर रहे हैं।

ऐसे में हर किसी के जहन में ये सवाल आना बेहद स्वाभाविक है कि आखिर क्या है ये ब्लू स्किनकेयर? और क्यों इसे स्किनकेयर की दुनिया का अगला बड़ा ट्रेंड माना जा रहा है? यहां इस लेख में हम आपको इसी बारे में जानकारी देंगे। इस स्किन केयर को फॉलो करके आप भी गर्मी और बारिश के मौसम में दमकती त्वचा पा सकते हैं।

क्या होता है ब्लू स्किन केयर ?

सबसे पहले जान लेते हैं कि आखिर ब्लू स्किन केयर होता क्या है ? तो पहले जान लें कि ब्लू स्किन केयर में ब्लू टेंशन रिलीविंग, कूलिंग या हीलिंग तत्व पाए जाते हैं। इनका रंग सामान्य तौर पर हल्का नीला या फिर पारदर्शी नीला होता है। ये गर्मी और बारिश के मौसम में सबसे काम आता है, क्योंकि ये स्किन को हाइड्रेट रखने का काम करता है।

ब्लू स्किन केयर में पाए जाने वाले तत्व

इस स्किन केयर में जो भी प्रोडक्ट्स पाए जाते हैं, उनमें मुख्यतः समुद्री तत्व पाए जाते हैं। इन तत्वों में ब्लू टैंसी ऑयल, ब्लू एजुलीन, सी वीड, नीलोत्पल और ब्लू कैमोमाइल शामिल हैं।

ब्लू स्किनकेयर किसके लिए है?

जिन लोगों की त्वचा सेंसिटिव, डिहाइड्रेटेड या इनफ्लेम्ड है, उनके लिए ये स्किन केयर कम आएगा। इसके अलावा जो लोग प्राकृतिक और कूलिंग इफेक्ट वाले स्किन प्रोडक्ट्स की तलाश में हैं। साथ-साथ जिनकी स्किन प्रदूषण और हीट से परेशान रहती है, उनके लिए भी ब्लू स्किन परफेक्ट माना जाता है। ब्लू स्किन केयर में इस्तेमाल होने वाले प्रोडक्ट में ब्लू टैंसी फेस ऑयल,ब्लू लोटस हाइड्रेटिंग मास्क,मरीन ब्लू जेल मॉइश्चराइज़र,सी मिनरल्स फेस मिस्ट शामिल है। यह रेडनेस और रैश में राहत, सेंसिटिव और एक्ने-प्रोन स्किन के लिए परफेक्ट,स्किन को ठंडक पहुंचाता है।

ऑफिस के लिए हर तरह के आउटफिट के साथ खास इयररिंग

अगर आप ऑफिस में एक जैसे इयररिंग पहनकर जाती हैं और अब कुछ यूनिक ट्राई करने का सोच रही है, तो आपको कुछ ऐसे पर्ल इयररिंग्स डिजाइन के बारे में जानना चाहिए, जिन्हें ट्राई कर आप बला की खूबसूरत लग सकती हैं।

पर्ल गोल्ड डेंगल इयररिंग

अगर आप ऑफिस में एक जैसे इयररिंग पहनकर जाती हैं और अब कुछ यूनिक ट्राई करने का सोच रही है, तो आप किसी भी आउटफिट के साथ इस खूबसूरत पर्ल गोल्ड डेंगल इयररिंग को ट्राई कर सकती हैं। इस तरह के इयररिंग आपको गॉर्जियस और एलिगेंट टच देने में मदद करेंगे। आप इन्हें ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों जगह से खरीद सकती हैं।

रूबी गोल्ड पर्ल डेंगल इयररिंग

अगर आप अपने ऑफिस में किसी भी तरह के आउटफिट को पहनकर जाने वाली है, तो अपने लुक को क्लासी टच देने के लिए आप इस खूबसूरत रूबी गोल्ड पर्ल डेंगल इयररिंग को ट्राई कर सकती है। इस तरह के इयररिंग आपको ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों जगह मिल सकते हैं। इन्हें पहनकर आप अपने लुक को भीड़ से हटकर बना सकती हैं।

गोल्ड पर्ल हूप इयररिंग्स

यही नहीं आप चाहे तो इस खूबसूरत गोल्ड पर्ल हूप इयररिंग्स को भी ट्राई कर सकती है। इस तरह की इयररिंग आपके चेहरे की खूबसूरती में चार चांद लगा देंगे और आपको डिफरेंट लुक देने में मदद करेंगे। आप इन्हें किसी भी आउटफिट के साथ शामिल कर अपने लुक को गॉर्जियस बना सकती हैं। आपको ऐसे पर्ल हूप इयररिंग डिजाइन ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों जगह मिल सकते हैं।

पर्ल गोल्ड ईयररिंग

अगर आप आउटफिट के साथ खूबसूरत इयररिंग्स पहनने का सोच रही है, तो आपके लिए यह पर्ल गोल्ड ईयररिंग भी बेस्ट ऑप्शन हो सकते हैं। इस तरह की इयररिंग आपको ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों जगह आसानी से मिल सकते हैं।

डार्क सर्कल्स कम करने के लिए घर पर बनाएं क्रीम

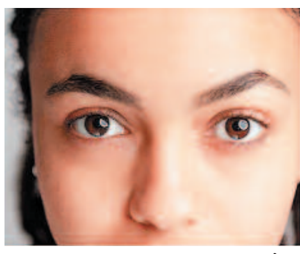

क्या सही नींद लेने और आराम करने के बाद भी आपके डार्क सर्कल्स बने हुए हैं? क्या डार्क सर्कल्स की वजह से चेहरे का नूर जा चुका है? आपको घर पर बनी ऐसी क्रीम का नुस्खा जानना चाहिए, जिससे आपको जल्द ही फर्क दिखेगा।अब हर बार महंगे अंडर-आई क्रीम्स खरीदना भी पॉकेट पर भारी पड़ सकता है और उनमें मौजूद केमिकल्स कभी-कभी स्किन को नुकसान भी पहुंचा सकते हैं। ऐसे में जरूरत है एक ऐसे प्राकृतिक और असरदार उपाय की जो आपकी आंखों को राहत भी दे और त्वचा को पोषण भी।

डार्क सर्कल्स के पीछे की वजहें

डार्क सर्कल्स केवल थकान की निशानी नहीं हैं। इनके पीछे कई कारण हो सकते हैं जैसे नींद की कमी या खराब नींद,आंखों को बार-बार रगड़ना,एलर्जी या आंखों में जलन,आनुवंशिक कारण,धूप के संपर्क में आकर पिग्मेंटेशन बढ़ना और खानपान में पोषक तत्वों की कमी शामिल है।

बनाएं होममेड अंडर-आई क्रीम

इस होममेड क्रीम को बनाने में कुछ खास सामग्री की जरूरत होगी, जो आपको आसानी से आपकी रसोई या किराना स्टोर में मिल जाएंगी।

बनाने की विधिः

एक छोटा कटोरा लें और उसमें एलोवेरा जेल और बादाम तेल मिलाएं। अब उसमें विटामिन-ई कैप्सूल को काटकर उसका ऑयल मिलाएं। 2-3 बूंद गुलाब जल डालें और अगर त्वचा बहुत रूखी है तो थोड़ा शहद भी मिला सकती हैं। इन सभी चीजों को अच्छी तरह मिक्स करें जब तक क्रीम जैसी टेक्सचर न बन जाए। तैयार क्रीम को एक एयरटाइट कंटेनर में भरकर फ्रिज में स्टोर करें।

कैसे करें इस्तेमालः

रोज रात को सोने से पहले चेहरे को साफ करें। अपनी रिंग फिंगर से थोड़ी-सी क्रीम लें। आंखों के नीचे हल्के हाथों से टैप करते हुए लगाएं। इसे पूरी रात लगा रहने दें और सुबह चेहरा धो लें। बादाम के तेल में विटामिन-ई और फैटी एसिड होते हैं जो डार्क सर्कल्स कम करने में मदद करते हैं। एलोवेरा जेल स्किन को ठंडक और नमी देने के साथ-साथ सूजन को कम करता है।

कार्नर न्यूज

अपने लुक को गॉर्जियस बनाने अपनाएं इन आउटफिट को

प्लस-साइज लड़कियों के लिए हैं बेस्ट आउटफिट आइडिया, काले रंग में दिखें स्लिम और स्टाइलिश

आज हम आपको कुछ ऐसे ब्लैक कलर के आउटफिट बताएंगे, जिन्हें पहनकर आप स्लिम दिख सकती हैं साथ ही अपने लुक को गॉर्जियस भी बना सकती हैं। अधिकतर महिलाएं अपने बढ़ते शरीर की वजह से अपने पसंदीदा आउटफिट नहीं पहन पाती है और इससे वह हमेशा उदास रहती हैं, लेकिन अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं हैं। यह खबर आपके लिए खास हो सकती है। आज हम आपको कुछ ऐसे ब्लैक कलर के आउटफिट बताएंगे, जिन्हें पहनकर आप स्लिम दिख सकती हैं साथ ही अपने लुक को गॉर्जियस भी बना सकती हैं।

ब्लैक फ्लेयर्ड प्लस साइज ड्रेस

अगर आपकी सोसाइटी में किटी पार्टी का प्लान है या आप अपने दोस्तों के साथ कहीं घूमने जाने वाली है और ऐसे में आउटफिट को लेकर परेशान है, तो आपके लिए यह खूबसूरत ब्लैक फ्लेयर्ड प्लस साइज ड्रेस एक बेस्ट ऑप्शन हो सकती है। ऐसी ड्रेस आपको हर साइज में मिल जाएगी। इसे आप ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों जगह से खरीद सकती हैं। इस तरह की ड्रेस आपकी खूबसूरती में चार चांद लगा देगी।

हेल्टर नेक एंब्रायडरी प्लस साइज ड्रेस

अगर आपका वजन ज्यादा है और ऐसे में आप पहनने के लिए आउटफिट सिलेक्ट नहीं कर पाती है या प्लस साइज आउटफिट को खोजने में मुश्किलों का सामना करती है, तो आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। आप इस खूबसूरत हेल्टर नेक एंब्रायडरी प्लस साइज ड्रेस को ट्राई कर सकती है। इस ड्रेस के साथ आप ब्लैक कलर की हिल्स या शूज भी शामिल कर अपने लुक को कंप्लीट कर सकती है।

टायर्ड प्लस साइज ड्रेस

अगर आप अपने ऑफिस में डिफरेंट लुक क्रिएट कर जाना चाहती हैं और ऐसे में आउटफिट तलाश रही है, तो आपके लिए यह ब्लैक टायर्ड प्लस साइज ड्रेस एक बेस्ट ऑप्शन हो सकती है। इस तरह की ड्रेस भी आपको ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों जगह मिल सकती है। इसे आप अपनी साइज के हिसाब से खरीद सकती हैं।

ब्लैक फ्लोरल प्लस साइज मैक्सी ड्रेस

अगर आप प्लस साइज वूमेन के हिसाब से कोई खास ड्रेस तलाश रही है, तो अब आप इस खूबसूरत ब्लैक फ्लोरल प्लस साइज मैक्सी ड्रेस को ट्राई कर सकती हैं। इस तरह की ड्रेस में आप अपने फिगर को गॉर्जियस बना सकती है और मोटापे को छुपा सकती है। ऐसी ड्रेस आपको ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों जगह मिल जाएगी।अपने लुक को कंप्लीट करने के लिए इस ड्रेस के साथ आप एक्सेसरीज और मेकअप कर सकती हैं।